NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित
वर्ष: 15 अंक: 241 लखनऊ, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी का मछुआरों से बड़ा वादा, भाजपा सरकार बढ़ाएगी मछली का एक्सपोर्ट

एजेंसी।

दिल्ली। सत्ताधारी टीएमसी पर निशाना साधते हुए, प्रधानमंत्री ने पार्टी पर महिलाओं के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने महिला आरक्षण बिल का जिक्र करते हुए कहा कि भले ही टीएमसी ने इसे संसद में पेश किया था, लेकिन TMC ने इसका विरोध किया और श्महिलाओं के अधिकार छीन लिए। पीएम मोदी ने कहा कि राज्य की महिलाएं यह नहीं भूलेंगी कि इस बिल का किस तरह विरोध किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एक जोशीली सभा को संबोधित करते हुए भरोसा दिलाया कि अगर पश्चिम बंगाल में अगली सरकार बीजेपी (BJP) बनाती है, तो वह मछली के निर्यात को प्राथमिकता देगी और मछुआरों को विशेष सहायता देगी। दक्षिण 24 परगना के मथुरापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने लोगों से मौजूदा टीएमसी सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की, और

दावा किया कि पूरे राज्य में बदलाव की एक जोरदार लहर चल रही है। सत्ताधारी ज्ड॰ पर निशाना साधते हुए, प्रधानमंत्री ने पार्टी पर महिलाओं के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने महिला आरक्षण बिल का जिक्र करते हुए कहा कि भले ही ठश्र्च ने इसे संसद में पेश किया था, लेकिन ज्ड॰ ने इसका विरोध किया और ष्महिलाओं के अधिकार छीन लिए। पीएम मोदी ने कहा कि राज्य की महिलाएं यह नहीं भूलेंगी कि इस बिल का किस तरह विरोध किया गया था। पीएम मोदी ने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार न केवल केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं में रुकावट डालती है, बल्कि जनता के फायदे के लिए रखे गए पैसों का भी गलत इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भ्रष्टाचार इतना गहरा हो चुका है कि ष्बंगाल में बिना रिश्वत दिए कोई काम नहीं होताष्। उनके अनुसार, लोगों ने बार–बार टीएमसी पर भरोसा किया है, लेकिन उन्हें सिर्फ अधूरे वादे और निराशा ही मिली है। 4 मई के बाद जवाबदेही की मांग प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद, गलत काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चल रही वोटिंग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले चरण में महिलाओं और युवा वोटरों में जो उत्साह दिखा है, उसने पूरे देश का ध्यान खींचा है। उन्होंने आगे कहा कि ज़्यादा वोटिंग से पता चलता है कि डर कम हो रहा है और भरोसे की जीत पक्की है। च्ड मोदी ने यह भी भरोसा जताया कि दस दिन बाद जब वोटों की गिनती होगी, तो ष्हर जगह कमल खिलेगा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव गुरुवार को पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में जोरदार वोटिंग हुईय दोपहर 3 बजे तक 3.60 करोड़ वोटरों में से 78.77 प्रतिशत ने वोट डाले। 16 जिलों की 152 सीटों पर सुबह 7 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच वोटिंग शुरू हुई। बूथों के बाहर लगी लंबी कतारें इस बात का संकेत थीं कि लोगों ने शुरू से ही इस चुनाव में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया है।

हाईस्कूल में कशिश-अंशिका और इंटर में शिखा ने किया टाप, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई

संवाददाता।

लखनऊ। यूपी बोर्ड 2026 के 10वीं और 12वीं के परिणाम नचउेच.मकन.पद पर घोषित कर दिए गए हैं, जिसमें 10वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.42: रहा। इस वर्ष भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी सफल छात्रों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) ने आज, 23 अप्रैल को शाम 4 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कक्षा 10वीं और 12वीं के 2026 के परिणाम घोषित कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने परिणाम के साथ–साथ कक्षा 10 के टॉपरों की सूची जारी कर दी है। इस वर्ष, शीर्ष रैंक असाधारण रूप से उच्च प्रतिशत अंकों के साथ हासिल की गई हैं, जो सभी जिलों में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन को दर्शाती हैं। लड़कियाँ लड़कों से बेहतर प्रदर्शन करती रहीं यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 के नतीजों में लड़कियों ने एक बार फिर लड़कों

से बेहतर प्रदर्शन किया है, चाहे वह पास प्रतिशत हो या शीर्ष अंक प्राप्त करने वालों में प्रतिनिधित्व। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के आंकड़ों से पता चलता है कि छात्राएँ न केवल मेरिट सूची में प्रमुखता से शामिल हैं, बल्कि सभी जिलों में भी उनका प्रदर्शन लगातार बेहतर बना हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा यह रुझान लड़कियों के समग्र शैक्षणिक परिणामों की उच्चतरता को दर्शाता है, जो कुल परिणामों और शीर्ष रैंकों दोनों में परिलक्षित होता है।उत्तीर्ण प्रतिशत 90.42:उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने यूपी बोर्ड कक्षा 10 के 2026 के परिणामों में लगभग 90.42 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में स्थिर प्रदर्शन दर्शाता है। यह आंकड़ा हाल के रुझानों के अनुरूप है, जहां हाई स्कूल उत्तीर्ण प्रतिशत लगातार 90 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है, जो राज्य भर में स्थिर शैक्षणिक परिणामों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों को बधाई दी योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश बोर्ड की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी और उनकी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की सराहना की। अपने संदेश में उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका को भी स्वीकार किया और कहा कि ऐसी उपलब्धियां समर्पण और लगन को दर्शाती हैं।

दिल्ली हास्पिटल में गंदगी और लंबी लाइनें देख भड़कीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

एजेंसी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अरुणा आसफ अली अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, जहाँ उन्हें दवाइयों की कमी, खराब स्वच्छता और लंबी कतारों जैसी गंभीर अव्यवस्थाएं मिलीं। उन्होंने मरीजों की शिकायतों पर अधिकारियों को फटकार लगाई और दवाओं की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा बायोमेट्रिक उपस्थिति जैसे प्रशासनिक सुधार लागू करने के सख्त निर्देश दिए।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को राजपुर रोड, सिविल लाइंस स्थित अरुणा आसफ अली अस्पताल का अचानक निरीक्षण किया ताकि मरीजों को दी जा रही सेवाओं और डॉक्टरों की उपलब्धता का जायजा लिया जा सके। इस दौरे के दौरान, उन्होंने बाह्य रोगी विभाग, वार्ड, दवा वितरण केंद्र, स्वच्छता प्रोटोकॉल, जल आपूर्ति और डिजिटल सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की और मरीजों और उनके परिवारों से

सीधे बातचीत की। कई बुजुर्ग मरीजों ने शिकायत की कि वे सुबह से ही कतारों में इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनकी देखभाल नहीं की जा सकी। मुख्यमंत्री गुप्ता ने नाराजगी जताते हुए अस्पताल अधिकारियों को पर्याप्त बैठने की व्यवस्था करने और लंबे इंतजार को कम करने के लिए एक उचित टोकन प्रणाली लागू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों की कमी, बाह्य रोगी सेवाओं में भीड़भाड़ और ऑनलाइन अपॉइंटमेंट प्रणाली की खामियों सहित कई मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डिजिटल बुकिंग सुविधा के बावजूद, मरीजों को अभी भी लंबा इंतजार करना पड़ता है और अधिकारियों को देरी को कम करने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रणालियों को एकीकृत करने का आदेश दिया। मरीजों ने दवाओं की अनुपलब्धता की भी शिकायत की, जिसके कारण उन्हें बाहर से दवाएं खरीदनी पड़ रही थीं। गुप्ता ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्टॉक रजिस्टरों के तत्काल सत्यापन की मांग की और दवाओं और टीकों की उपलब्धता पर 'शून्य सहनीलता' की नीति घोषित की। उन्होंने कहा कि आज जिस दवा की आवश्यकता है, वह आज ही उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने टीकाकरण इकाई का निरीक्षण किया, जहां कई मरीजों को रेबीज रोधी और अन्य टीके लगाए जाते हैं। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक टीकों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मरीजों और उनके साथ आए लोगों ने स्वच्छता, पानी की आपूर्ति और शौचालय सुविधाओं को लेकर चिंता जताई। मुख्यमंत्री गुप्ता ने इन कमियों के लिए अधिकारियों को फटकार लगाई और तत्काल समाधान का निर्देश देते हुए कहा कि अस्पतालों में खराब स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव अस्वीकार्य है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्रशासनिक सुधारों का आदेश दिया, जिसमें डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक उपस्थिति और ड्यूटी के दौरान नेमप्लेट का अनिवार्य प्रदर्शन शामिल है।

हर दर्द पर भारी पड़ी मेहनत, बीमार मां और किसान पिता ने दिया हौसलाय कशिश ने रच दिया इतिहास

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) ने 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। सीतापुर की कशिश वर्मा ने 10वीं में यूपी टॉप किया। अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने अपने सपनों के बारे में खुलकर बताया। आगे पढ़ें और जानें 10वीं टॉपर क्या बनना चाहती हैं? 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। इस साल लगभग 52 लाख छात्रों ने परीक्षा दी है। परिणाम आते ही छात्र–छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। सीतापुर की कशिश वर्मा ने 97.83 फीसदी अंकों के साथ 10वीं में यूपी टॉप किया। वह महमूदाबाद स्थित बाबू राम सावित्री देवी स्कूल की छात्रा हैं। उन्हें 600 में 587 अंक मिले हैं। परिणाम आने के बाद से घर में खुशी का माहौल है। आसपास के

लोगों ने घर पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। लोग बधाई देने के लिए उन्हें लगातर फोन करते रहे। उनके फोन की घंटी लगातार घनघनाती रही।

30 अप्रैल को प्रात: 11 बजे से प्रारम्भ होगा उत्तर प्रदेश विधान परिषद का द्वितीय सत्र

संवाददाता।

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश विधान परिषद सचिवालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वर्ष 2026 के लिए उत्तर प्रदेश विधान परिषद के द्वितीय सत्र को आहूत करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश संविधान के अनुच्छेद–174 के खंड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया गया है।जारी अधिसूचना के अनुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद का द्वितीय सत्र गुरुवार, दिनांक 30 अप्रैल 2026 को प्रात: 11 बजे से विधान भवन स्थित परिषद मण्डप, लखनऊ में प्रारम्भ होगा। इस संबंध में राज्यपाल द्वारा 20 अप्रैल 2026 को आदेश जारी किया गया, जिसे सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया गया है।अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि सत्र के आयोजन को लेकर आवश्यक सूचनाएं संबंधित सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को प्रेषित कर दी गई हैं। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, सभी मंत्रियों, राज्य मंत्रियों, विधान परिषद के सभापति, नेता सदन, नेता विरोधी दल तथा परिषद के समस्त सदस्यों को सूचनार्थ प्रति भेजी गई है, ताकि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर सत्र में भाग ले सकें।इसके अतिरिक्त मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन सहित राज्यपाल सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विधान परिषद के इस द्वितीय सत्र में विभिन्न शासकीय कार्यों, नीतिगत विषयों तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर विचार–विमर्श होने की संभावना है।

बिहार में जमीन खरीदने वालों को झटका! पटना-गया समेत 11 शहरों में जमीन खरीदने पर लगा बैन

एजेंसी।

बिहार सरकार ने 11 नए सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना के तहत एक बड़ा फैसला लिया है, जिसके अंतर्गत इन क्षेत्रों में जमीन की खरीद–बिक्री और निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह प्रतिबंध पटना, गया, मुजफ्फरपुर और भागलपुर समेत 11 जिलों में मास्टर प्लान तैयार होने तक लागू रहेगा, ताकि अनियोजित विकास को रोका जा सके। राज्य मंत्रिमंडल ने बुधवार को राज्य में 11 नए सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने का निर्णय लिया, जिसके लिए कई फैसले लिए गए। एक महत्वपूर्ण फैसले में, मंत्रिमंडल ने प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप क्षेत्र में भूमि की खरीद–बिक्री और हस्तांतरण तथा भवनों के निर्माण पर रोक लगाने का निर्णय लिया, जिसकी अधिसूचना शीघ्र ही जारी की जाएगी। इन टाउनशिप क्षेत्रों में इन शहरों के लिए मास्टर प्लान तैयार होने तक भूमि की खरीद–बिक्री और हस्तांतरण तथा भवनों का निर्माण नहीं होगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने उन 11 टाउनशिप के नाम तय किए जिन्हें उनके मुख्य क्षेत्र और विशेष क्षेत्र को निर्दिष्ट करने के अलावा विकसित किया जाएगा। शहरी विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने पोस्ट कैबिनेट ब्रीफिंग में यहां संवाददाताओं को बताया कि 11 टाउनशिप के नाम हैं– पटना को पाटलिपुत्र, सोनपुर को हरिहरनाथपुर, गयाजी को मगध, दरभंगा को मिथिला, मुंगेर को अंग, पूर्णिया को पूर्णिया, सहरसा कोशी, छपरा को सारण, भागलपुर को विक्रमशीला, मुजफ्फरपुर को तिरहुत और सीतामढी को सीतापुरम। प्रस्तावित 11 टाउनशिपों में से पटना, सोनपुर, गयाजी, दरभंगा, मुंगेर, पूर्णिया और सहरसा में 31 मार्च, 2027 तक भूमि की खरीद–बिक्री, भूमि का हस्तांतरण और भवनों का निर्माण निषिद्ध रहेगा, जबकि छपरा, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और सीतामढ़ी की प्रस्तावित टाउनशिपों में 30 जून, 2027 तक भूमि की खरीद–बिक्री, हस्तांतरण और भवनों का निर्माण प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि, कुमार ने स्पष्ट किया कि यदि मास्टर प्लान जल्द से जल्द तैयार हो जाता है तो प्रतिबंध पहले भी हटाया जा सकता है। मास्टर प्लान के अधिसूचित होते ही छपरा, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और सीतामढ़ी की चार प्रस्तावित टाउनशिप पर भी प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कुमार ने बताया कि इन टाउनशिप में कोर एरिया 800 एकड़ से 1200 एकड़ के बीच हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार मास्टर प्लान के अनुसार सबसे पहले कोर एरिया में निर्माण कार्य शुरू करेगी और इसे कोर एरिया के 10 गुना से अधिक क्षेत्र में विस्तारित और विकसित किया जा सकता है। गौरतलब है कि राज्य मंत्रिमंडल ने 25 नवंबर, 2025 को नौ संभागीय मुख्यालयों सहित 11 टाउनशिप के विकास को मंजूरी दी थी, साथ ही सारण जिले के सोनपुर (हरिहरनाथपुर) और सीतामढ़ी (सीतापुरम) की दो अन्य टाउनशिप को भी मंजूरी दी थी।

नगर निगम के विशेष सदन में 'नारी शक्तिवंदन अधिनियम' पर चर्चा, 93 पार्षदों ने निंदा प्रस्ताव किया पारित

संवाददाता।

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में गुरुवार को आयोजित विशेष सदन में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। नगर निगम मुख्यालय

स्थित त्रिलोकनाथ सभागार में प्रात: 11 बजे प्रारम्भ हुई इस बैठक में पार्षदों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों की उपस्थिति रही। सदन के दौरान हालिया घटनाक्रम तथा महिला सम्मान से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता के साथ विचार–विमर्श किया गया।सदन को संबोधित करते हुए लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने भावुक शब्दों में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वह केवल महापौर के रूप में ही नहीं, बल्कि एक सैनिक परिवार से जुड़ी महिला के रूप में भी यहां उपस्थित हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अनुशासन और स्वाभिमान उनके जीवन के मूल मूल्य रहे हैं, लेकिन बुधवार की सुबह उनके आवास पर हुई घटना ने लोकतंत्र और मानवता दोनों को आहत किया है।सदन के दौरान कई पार्षदों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पार्षद रेखा सिंह, नेहा सिंह, शिवम उपाध्याय, गौरी सांवरिया, ऋचा मिश्रा, भृगुनाथ शुक्ला तथा अनुराग मिश्रा (अन्नू) ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में बोलते हुए महिला सशक्तिकरण, समान अधिकार और सामाजिक सम्मान की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में महिलाओं को सम्मान और बराबरी का अधिकार मिलना समय की आवश्यकता है।महापौर ने अपने संबोधन में विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि जिस देश में नदियों को 'मां' कहा जाता है, वहां नारी के सम्मान को ठेस पहुंचाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मां, बहन और बेटी जैसे पवित्र रिश्तों का अपमान देश की जनता कभी नहीं भूलेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एक मां होने के नाते वह किसी भी मां का अपमान करने की कल्पना भी नहीं कर सकतीं।उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया तथा महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विरोध कर उनके सम्मान को ठेस पहुंचाई गई। उन्होंने कहा कि अब देश की नारी जागरूक हो चुकी है और अपने अधिकारों तथा सम्मान की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ खड़ी है।महापौर ने बुधवार को उनके आवास पर हुए प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी नामपट्टिका पर जूता चलाना न केवल उनके पद का, बल्कि पूरे शहर की गरिमा का अपमान है। उन्होंने इसे लखनऊ की प्रथम नागरिक तथा एक सैनिक परिवार की महिला के सम्मान पर आघात बताया।

इतिहास विभाग के प्रो. एस. विक्टर बाबू 45वें वार्षिक अधिवेशन के महाध्यक्ष नामित

लखनऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में प्रोफेसर एवं विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्य अधिष्ठाता पद पर कार्यरत प्रो. एस. विक्टर बाबू को साउथ इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस की कार्यकारी समिति द्वारा वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले 45वें वार्षिक अधिवेशन का महाध्यक्ष नामित किया गया है। प्रो. विक्टर बाबू का यह नामांकन उनके लंबे समय से चले आ रहे शोध कार्य, विद्वता और शैक्षणिक नेतृत्व का सम्मान है, जो इतिहास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान और विशिष्ट पहचान को दर्शाता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रो. एस. विक्टर बाबू को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनकी इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय बताया। यह अधिवेशन जुलाई 2026 में तेलंगाना राज्य के नलगोंडा स्थित महात्मा गांधी विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश–विदेश के विद्वानों की सहभागिता अपेक्षित है। प्रो. विक्टर बाबू के मार्गदर्शन में आयोजित यह अधिवेशन इतिहास के क्षेत्र में नई दिशा और दृष्टिकोण प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। उल्लेखनीय है कि साउथ इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस की स्थापना वर्ष 1979 में हुई थी। यह संगठन दक्षिण भारत के इतिहास, संस्कृति और समाज से जुड़े शोध और विमर्श को बढ़ावा देने वाला एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक मंच है। यह संस्था देशभर के इतिहासकारों, शोधार्थियों और शिक्षाविदों को एक मंच प्रदान करती है, जहां वे अपने शोध कार्य प्रस्तुत करते हैं और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक विषयों पर विचार–विमर्श करते हैं।

यूपी बोर्ड के 10वीं-12वीं परीक्षा परिणाम घोषित

10वीं में 90.42% तो इंटर में 80.38% पास

हाईस्कूल में सीतापुर की कशिश वर्मा और बाराबंकी की अंशिका वर्मा ने संयुक्तरूप से किया टॉप

इन्टरमीडिएट में सीतापुर की शिखा वर्मा पूरे प्रदेश में अव्वल

प्रयागराज। यूपी बोर्ड 10वीं 12वीं का रिजल्ट 2026 जारी कर दिया गया है। यूपी बोर्ड 10वीं रिजल्ट 90.42 प्रतिशत रहा जबकि यूपी बोर्ड 12वीं का रिजल्ट 80.38 प्रतिशत रहा। यूपी बोर्ड 10वीं में सीतापुर की कशिश वर्मा और बाराबंकी की अंशिका वर्मा ने संयुक्त रूप से टॉप किया है। दोनों ने 97.83 फीसदी अंक हासिल किए। बाराबंकी की अदिति 97.50: अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। तीसरे स्थान पर तीन मेधावियों ने जगह बनाईकुसीतापुर की अर्पिता, झांसी के ऋषभ साहू और बाराबंकी की परि वर्मा रहीं। इन तीनों ने 97.33: अंक प्राप्त किए। यूपी बोर्ड 12वीं में सीतापुर की शिखा वर्मा ने 97.60 फीसदी अंक पाकर पूरे प्रदेश में टॉप किया है। दूसरे स्थान पर बरेली की नंदनी गुप्ता और बाराबंकी की श्रेया वर्मा रहीं। नंदनी और श्रेया ने 97.20: अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरी रैंक पर बरेली की सुरभि यादव और बाराबंकी की पूजा पाल रहीं जिन्होंने 97 फीसदी अंक हासिल किए।

उत्तर जोन क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन 24 अप्रैल को लखनऊमें आयोजित होगा

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर जोन खेती का प्राण है और कृषि क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने अनेक सकारात्मक कदम उठाए हैं। प्रदेश के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप केंद्रीय किसान कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में 24 अप्रैल को लखनऊ स्थित सेंट्रम होटल में उत्तर जोन क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में नौ राज्योंकृउत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, पंजाब तथा दिल्लीकृके कृषि मंत्री, उद्यान मंत्री, प्रमुख सचिव, निदेशक, किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक तथा भारत सरकार के अधिकारी शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी तथा रामनाथ ठाकुर की उपस्थिति प्रस्तावित है। यह जानकारी प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को लोकभवन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कृषि ऋण, किसान ऋण पत्र, कृषि आधारभूत संरचना कोष की प्रगति, विभिन्न राज्यों के किसानों, नवाचार आधारित उद्यमों, किसान उत्पादक संगठनों, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक, बैंकों, मिल संचालकों, प्रसंस्करण इकाइयों, बागवानी की संभावनाओं, दलहन आत्मनिर्भरता अभियान की प्रगति, बीज एजेंसियों, क्रय एजेंसियों, सिंचाई कंपनियों तथा राष्ट्रीय खाद्य तेल अभियान सहित अनेक विषयों पर चर्चा और समीक्षा की जाएगी। कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों के कल्याण और आय वृद्धि को लेकर विभिन्न राज्यों ने बेहतर कार्य किए हैं और वे अपने कार्यों का प्रस्तुतिकरण कर अन्य राज्यों को भी जानकारी देंगे। उत्तर प्रदेश में गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसके साथ ही धान की सीधी बोआई विधि को लेकर भी प्रस्तुतिकरण किया जाएगा, जिसे भारत सरकार द्वारा किसानों के हित में उपयोगी पद्धति माना गया है। वहीं पंजाब सरकार द्वारा धान फसल विविधीकरण की पद्धति तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड द्वारा बागवानी क्षेत्र में अपनाई गई विशेष पद्धतियों की जानकारी भी साझा की जाएगी। सम्मेलन में नकली कीटनाशकों और उर्वरकों की कालाबाजारी पर नियंत्रण, प्रभावी वितरण व्यवस्था, वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने, संतुलित उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर वैकल्पिक उर्वरकों के प्रयोग जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही उत्तर जोन के लिए भविष्य की नीतियां निर्धारित करने तथा किसानों को अधिक सामर्थ्यवान और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उपायों पर भी विचार–विमर्श होगा। एक प्रश्न के उत्तर में कृषि मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। प्रदेश में 20 लाख मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक उपलब्ध है, जिसमें लगभग साढ़े 11 लाख मीट्रिक टन यूरिया शामिल है।

प्रयागराज के पांच छात्र छात्राएं प्रदेश स्तर की हाईस्कूल की मेरिट लिस्ट में

सेंट एंथोनी कालेज की अविका शर्मा को प्रदेश में चौथा स्थान

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट घोषित हो चुका है। उत्तर प्रदेश की मेरिट लिस्ट में प्रयागराज के पांच विद्यार्थियों ने जगह बनाई है। ये छात्र और छात्राएं शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के हैं। इनमें शहर के ज्वाला देवी सरस्वती विद्या निकेतन सिविल लाइंस के तीन बच्चों को मेरिट लिस्ट में स्थान मिला है। शहर के सेंट एंथोनी गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा अविका शर्मा ने यूपी बोर्ड की परीक्षा में हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेश स्तर पर चौथा स्थान प्राप्त किया है। अविका की इस उपलब्धि पर उसके परिवार के लोगों के साथ ही स्कूल स्टाप व जानने वालों में खुशी की लहर व्याप्त है। इसी प्रकार यमुनापार के कोरांव स्थित एसपी इंटर कॉलेज सिकरों की छात्रा भारती सिंह ने प्रदेश स्तर पर छठां स्थान प्राप्त किया है। इनके भी घर–परिवार के सदस्यों में खुशी की लहर है। वहीं स्कूल से जुड़े लोगों के साथ आस पास के निवासी भारती सिंह के घर पर पहुंचकर बधाई दे रहे हैं। इनके अलावा ज्वाला देवी विद्या निकेतन सिविल लाइंस के आदर्श सिंह ने सातवां, इसी विद्यालय के रचित राजवेंद्र और शास्वत बरोलिया ने 10वां स्थान हासिल कर कॉलेज व घर परिवार का नाम रोशन किया है। जिला स्तर पर मेधावियों की सूची में इन विद्यार्थियों का क्रमशरू प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान है। इंटरमीडिएट में प्रयागराज सूना यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा में कोई भी विद्यार्थी प्रदेश की मेधावियों की सूची में स्थान बनाने में सफल नहीं हो सका है।

ऋण दिलाने के नाम पर लाखों रुपये हड़पने वाला वांछित अभियुक्त मेरठ से गिरफ्तार, तीन अन्य की तलाश जारी

लखनऊ(आरएनएस)। ऋण दिलाने के नाम पर आम जनता से धन एकत्र कर हड़पने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त मो. फराज उर्फ सनी राणा को आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने जनपद मेरठ से गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त की तलाश के क्रम में की गई। गिरफ्तार अभियुक्त कंपनी में निदेशक पद पर कार्यरत था और लोगों से धन एकत्र कराने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका पाई गई है। प्रकरण के अनुसार, शताब्दी फिन कार्प प्रा. लि. कंपनी के संचालक, निदेशकगण एवं खाताधारकों द्वारा आम जनता को बैंकों से गृह ऋण, शिक्षा ऋण, कृषि ऋण तथा आयकर विवरणी के आधार पर ऋण दिलाने का झांसा दिया जाता था। इसके लिए आवेदकों से कंपनी के बैंक खातों में फाइल शुल्क, प्रक्रिया शुल्क तथा सेवा कर के नाम पर धन जमा कराया जाता था। आरोप है कि कंपनी द्वारा आवेदकों को ऋण स्वीकृत कराने के बजाय उनसे जमा कराए गए कुल 3,91,783 रुपये हड़प लिए गए और बाद में कंपनी का कार्यालय बंद कर आरोपी फरार हो गए। इस प्रकार कई लोगों को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाया गया। इस संबंध में आर्थिक अपराध शाखा सेक्टर मेरठ थाना में मुकदमा संख्या 32ध्19 के तहत धारा 406, 420, 467, 468, 471 एवं 120बी भारतीय दंड संहिता तथा भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 की धारा 45 (1) ए के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान मामले में कुल चार अभियुक्तों की संलिप्तता सामने आई, जिन्हें दोषी पाया गया। इनमें से एक वांछित अभियुक्त मो. फराज उर्फ सनी राणा को 23 अप्रैल 2026 को पूर्वाह्न में जनपद मेरठ से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त कंपनी के निदेशक के रूप में कार्यरत था और लोगों को ऋण दिलाने के नाम पर धन जमा कराने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है, जिससे शेष फरार अभियुक्तों तक पहुंचने में मदद मिल सके। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मो. फराज उर्फ सनी राणा पुत्र मो. हसन, निवासी 112 विकास पुरी कालोनी, जनपद मेरठ के रूप में हुई है।

विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर द्वि-दिवसीय पुस्तक मेला आयोजित

प्रयागराज। विश्व पुस्तक दिवस 23 अप्रैल के अवसर पर बुकवाला, प्रयागराज द्वारा सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में द्वि–दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी–सह– विक्रय मेले का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन ज्ञान, पठन संस्कृति और बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रो. (डॉ.) बिस्वासरूप मेहरा, प्रो–वाईस चांसलर (प्रशासन) द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) रितु प्रकाश दुबे, प्रो–वाईस चांसलर (पीएमडी) एवं अध्यक्ष, पुस्तकालय सलाहकार समिति प्रो. (डॉ.) नीरू बाला तथा प्रो. (डॉ.) दीपक कुमार बोस सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। अपने संबोधन में प्रो. (डॉ.) बिस्वासरूप मेहरा ने पुस्तकों को व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को नियमित पठन की आदत अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वयं प्रदर्शनी से पुस्तकें खरीदकर छात्रों को पढ़ने के लिए उत्साहित किया। वहीं, प्रो. (डॉ.) रितु प्रकाश दुबे ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम से इतर पुस्तकों का अध्ययन विद्यार्थियों में नवाचार, तार्किक सोच एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। इस पुस्तक मेले में शैक्षणिक, प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रेरणादायक साहित्य, सामान्य ज्ञान एवं विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों का व्यापक संग्रह प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुस्तकालयाध्यक्ष क्रिस्टोफर सुधीर जॉर्ज ने बताया कि विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस, जिसे यूनेस्को के तत्वावधान में मनाया जाता है, का उद्देश्य पठन–पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा बौद्धिक संपदा के प्रति जागरूकता फैलाना है। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने बताया कि यह पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य समाज में पढ़ने की आदत को विकसित करना और ज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाना है।

नागरिक सुरक्षा प्रखंड लोहिया नगर की मासिक बैठक में बहादुर वार्डनों को किया गया सम्मानित

लखनऊ,(आरएनएस)। नागरिक सुरक्षा नियंत्रण केंद्र में प्रखंड लोहिया नगर की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा ने सर्वप्रथम 15 अप्रैल 2026 को विकासनगर क्षेत्र में हुई आकस्मिक अग्निकांड दुर्घटना में अदम्य साहस और कर्तव्यपरायणता के साथ कार्य करने वाले वार्डनों की सराहना की। उन्होंने दुर्घटना के दौरान जनमानस की सहायता करते हुए घायल हुए पोस्ट वार्डन ऋषि श्रीवास्तव (पोस्ट वार्डन–3) को विशेष रूप से पुरस्कृत किया। अग्निकांड के समय विशेष सहयोग प्रदान करने वाले वरिष्ठ वार्डन अधिकारियों एवं कर्मियों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। डिप्टी चीफ वार्डन गुरप्रीत सिंह सेठी, प्रखंड की सहायक उप नियंत्रक रेखा पांडे, डिविजनल वार्डन लोहिया नगर सुनील तिवारी, हजरतगंज के डिविजनल वार्डन आशीष कपूर, स्टाफ अधिकारी कमलेश सिंह, घटना नियंत्रण अधिकारी शोएब जली, आरक्षित पोस्ट वार्डन सौरभ अग्रवाल तथा सेक्टर वार्डन आमिर अब्बास सहित अन्य को लक्ष्मण पुरस्कार–2026 से नवाजा गया। प्रखंड की सहायक उप नियंत्रक रेखा पांडे ने सभी वार्डनों की बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी समर्पण और लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। डिप्टी चीफ वार्डन गुरप्रीत सिंह सेठी ने प्रखंड के डिविजनल वार्डन सुनील तिवारी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए उनकी पूरी टीम को बधाई दी और उनकी नेतृत्व क्षमता को सराहनीय बताया। बैठक के दौरान चीफ वार्डन द्वारा प्रखंड के 15 वार्डनों को पदोन्नति आदेश भी प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त प्रखंड लोहिया नगर की ओर से 21 वार्डनों को अदम्य साहस सम्मान देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में डिविजनल वार्डन सुनील कुमार तिवारी एवं डिप्टी डिविजनल वार्डन डॉ. पंकज द्वारा चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा, डिप्टी चीफ वार्डन गुरप्रीत सिंह सेठी, सहायक उप नियंत्रक रेखा पांडे, ऋषि कुमार तथा ममता को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

घर के पास ही मिली युवती की खून से सनी लाश

सिर और चेहरे पर चोट के निशान, परिजनों ने जताया पड़ोसियों पर हत्या करने का शक, दो हिरासत में

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के संदलपुर मलेथू गांव में 20 साल की लड़की का घर से 10 मीटर की दूरी पर खून से लथपथ शव मिला। चेहरे और सिर पर चोट के गहरे निशान हैं। परिजनों का आरोप है कि पड़ोसियों ने उनकी बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। पिता ने बताया कि रात में बेटी ने सभी के साथ खाना खाया था। इसके बाद अपने घर में जाकर सो गई। सुबह घर के बाहर उसकी लाश मिली है। पड़ोसियों से जमीन को लेकर विवाद था। इसीलिए उन्होंने मेरी बेटी को मार दिया। पुलिस ने परिजनों ने की शिकायत पर दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। इसके अलावा पुलिस प्रेम प्रसंग के एंगल पर भी जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलपुर थाना क्षेत्र के संदलपुर मलेथू गांव के रहने वाले राजेंद्र पटेल खेती–किसानी करते हैं। परिवार में पत्नी गायत्री देवी, 3 बेटे और 4 बेटियां हैं। 2 बेटों और 2 बेटियों की शादी हो चुकी है। तीसरे नंबर की बेटी रेखा (20) आठवीं तक पढ़ी थी और घर पर ही रहती थी। बुधवार रात को परिवार के सभी लोगों ने एक साथ खाना खाया। इसके बाद रेखा अपने कमरे में सोने चली गई। वहीं, बाकी परिजन आंगन और घर के बाहर बरामदे में सो गए। रेखा रात करीब 12 बजे तक जाग रही थी और अपनी बहन के बेटे के साथ मोबाइल देख रही थी। इसके बाद वह भी सो गई।

परिजनों के अनुसार सुबह छोटा भाई सुरेंद्र जब गाय को चारा डालने के लिए उसे जगाने गया तो वह कमरे में नहीं मिली। बाहर जाकर देखा तो घर से करीब 10 मीटर दूर उसका शव पड़ा था। शव पर गले में निशान थे और माथे से खून निकल रहा था। सुरेंद्र ने तुरंत परिवार और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर फूलपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। मौके पर फूलपुर एसीपी विवेक यादव और गंगानगर डीसीपी कुलदीप सिंह गुणावत ने भी निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए।

परिजनों ने पड़ोसियों पर हत्या आरोप लगाया है। पिता का कहना है जमीन को लेकर उनका पड़ोसियों से विवाद चल रहा है। इसी के चलते पड़ोसियों ने बेटी की हत्या कर दी। पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। इसके अलावा पुलिस प्रेम प्रसंग के एंगल पर भी जांच कर रही है। गांव के एक युवक से बातचीत की बात सामने आई है। पुलिस ने उस युवक के पिता और भाई को भी पूछताछ की जा रही है।

महापौर ने विपक्ष पर साधा निशाना, निंदा प्रस्ताव पारित होने पर 93 पार्षदों का जताया आभार

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी की महापौर ने अपने आवास पर हुई घटना को लेकर विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वह यहां केवल लखनऊ की महापौर के रूप में ही नहीं, बल्कि एक सैनिक परिवार की सदस्य के रूप में भी खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि वह एक सैनिक की बेटी, बहन, बहू और पत्नी रही हैं तथा पिछले 40 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता के रूप में अनुशासन और स्वाभिमान के मूल्यों को आत्मसात किया है। उन्होंने कहा कि बुधवार की सुबह उनके आवास पर जो घटना हुई, उसने लोकतंत्र और मानवता दोनों को शर्मसार कर दिया है। महापौर ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस देश में हम रहते हैं, उसे भारत माता कहा जाता है और यहां नदियों को भी मां का दर्जा दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं से जुड़े पवित्र रिश्तोंकृमां, बहन और बेटीकृका अपमान करने की घटना को देश की जनता कभी नहीं भूलेगी। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह स्वयं एक मां हैं और उनके लिए देश की हर जननी शक्ति का स्वरूप है, ऐसे में किसी मां का अपमान करना उनके संस्कारों के विपरीत है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष ने वर्षों तक देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों से वंचित रखा और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कानूनों का विरोध किया। महापौर ने कहा कि महिलाओं के सम्मान से जुड़े मुद्दों पर अब देश की महिलाएं जागरूक हो चुकी हैं और किसी भी अपमान का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा। महापौर ने आरोप लगाया कि बुधवार सुबह विपक्षी दल के कार्यकर्ताओं द्वारा उनके आवास पर पहुंचकर नामपट्टिका पर जूते चलाना न केवल एक जनप्रतिनिधि का अपमान है, बल्कि यह शहर की प्रथम नागरिक और एक सैनिक की पत्नी का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि एक सैनिक की पत्नी होने के नाते उन्होंने चुनौतियों का सामना करना सीखा है और वह अपने सम्मान की रक्षा के लिए हमेशा दृढ़ रहेंगी। इस प्रकरण के बीच नगर निगम में 119 में से 93 पार्षदों द्वारा एकजुट होकर निंदा प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए जाने पर महापौर ने सभी पार्षदों और शहर की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव केवल औपचारिक कार्यवाही नहीं, बल्कि उन लोगों को जवाब है जिन्होंने महिलाओं के सम्मान का उपहास उड़ाया।

यूपी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में प्रयागराज ने हासिल किया तीसरा स्थान

95.36 फीसदी परीक्षार्थी हुए सफल

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद् उत्तर प्रदेश ने बोर्ड के दसवीं और बारहवीं के नतीजे गुरुवार को घोषित कर दिए। उत्तर प्रदेश में यूपी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में कुल सफल परीक्षार्थियों के मामले में प्रयागराज जनपद तीसरे स्थान पर है। भदोही पहले और आगरा का स्थान दूसरा है। प्रयागराज जिले में कुल 88,566 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें 84458 परीक्षार्थी सफल हुए है। इस तरह जनपद में 95.36 फीसदी रिजल्ट रहा है। प्रयागराज जिले में हाईस्कूल में अविका शर्मा ने जिले में पहला स्थान हासिल किया है। प्रयागराज शहर के सेंट अंथोनी सीजे इंटर कॉलेज की छात्रा अविका शर्मा ने यूपी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में टॉप कर जिले का मान बढ़ाया है। अविका ने इस परीक्षा में 97.17 फीसदी अंक हासिल किए हैं। अविका बताती है कि वह विद्यालय से आने के बाद चार से पांच घंटे पढ़ाई करती थी। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से उसे घर के काम काज में भी हाथ बटाना होता था। लेकिन टॉपर्स में उसका नाम आने के बाद उसकी मेहनत कामयाब हो गई।

शगुन और गोपाल दास क्लब को मिली जीत

प्रयागराज। क्रिकेट स्कूल शगुन क्लब और गोपाल दास क्लब ने अपने–अपने मुकाबले जीतकर डीआरएम कप अंडर–14 कलर ड्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। डीएसए मैदान पर बुधवार रात खेले गए मैच में श्री सहायक क्लब ने 22 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन (राजवीर शर्मा 55 नाबाद, हर्ष 3ध्23, स्वयं 2ध्18) बनाए। जवाब में क्रिकेट स्कूल शगुन क्लब ने 22 ओवर में 8 विकेट पर 113 रन (मोहम्मद इशात 40, नाबाद, मलाहत हुसैन 15 नाबाद, स्वयं 14, अविक्षित यादव 13, अनुराग 3ध्20, ऋषभ सोनी व कात्यानी पाठक एक–एक विकेट) बना लिए। हर्ष को रणजी क्रिकेटर राकेश मिश्र ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। गुरुवार सुबह खेले गए मैच में भवम क्लब ने 25 ओवर में 7 विकेट पर 151 रन (अमृतांश यादव 63 नाबाद, आदित्य सक्सेना 23, मोहम्मद इस्माइल 21, शिवेंद्र सिंह 3ध्42, यशस्वी मिश्रा, युवराज शुक्ला, शिवम यादव व नरहरि दीक्षित एक–एक विकेट) बनाए।

भाजपा जिला कार्यालय के सभागार कक्ष में में महिला जन आक्रोश पर प्रेसवार्ता का हुआ आयोजन

मिर्जापुर भारतीय जनता पार्टी के भाजपा जिला कार्यालय के सभागार कक्ष में भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज की अध्यक्षता में महिला जन आक्रोश पर प्रेसवार्ता का आयोजन हुआ

जिसमें बतौर मुख्य अतिथि ध मुख्य वक्ता मा0 कैबिनेट मंत्री उ0प्र0 सरकार नन्द गोपाल गुप्ता "नन्दी" जी रहे। मा0 मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि 16 और 17 अप्रैल को संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों का विरोध कर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके ने देश की आधी आबादी के साथ विश्वासघात किया है और अपने महिला–विरोधी मानसिकता को पूरी तरह उजागर कर दया है। मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्पष्ट कहा कि नीति–निर्माण में महिलाओं को भागीदारी देना कोई उपकार नहीं, बल्कि उनका स्वाभाविक अधिकार है। जिन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर में बाधा डाली है, उन्हें आने वाले चुनावों में महिलाओं के कड़े आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमत शाह ने विपक्ष के झूठ को बेनकाब करते हुए स्पष्ट किया कि परिसीमन से किसी भी राज्य को नुकसान नहीं होगाय बल्कि दक्षिण भारत का आनुपातिक प्रतिनिधित्व सुरक्षित रहेगा और बढ़ेगा। समाजवादी पार्टी जैसे विपक्षी दल कोटा के भीतर धर्म–आधारित आरक्षण की असंवैधानिक मांग उठाकर प्रक्रिया को टालने की कोशश कर रहे हैं, जो तुष्टकरण और ध्यान भटकाने का एक तकनीकी बहाना मात्र है। भारतीय जनता पार्टी महिला सशक्तिकरण और लोकतंत्र को मजबूत करने के लए प्रतिबद्ध है और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने हेतु इन महिला–विरोधी ताकतों के खलाफ दृढ़ता से लड़ाई लड़ेगी। 16 और 17 अप्रैल को संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक पर हुई चर्चा देश के लोकतांत्रिक भविष्य और महिलाओं की भागीदारी से जुड़ा एक ऐतिहासिक अवसर था। लेकिन इन दो दिनों में केवल एक विधेयक ही सदन में नहीं गिरा, बल्कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके देश की आधी आबादी की नजरों में हमेशा के लिए गिर गए। भारतीय जनता पार्टी 16 और 17 अप्रैल को संसद में पूरे देश ने जो शर्मनाक, अलोकतांत्रिक और महिला–विरोधी आचरण विपक्षी गठबंधन का देखा, उसकी कड़ी निंदा करती है। इन दलों ने केवल संवैधानिक संशोधन या परिसीमन से जुड़े विधेयकों का विरोध नहीं किया, बल्कि भारत की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के साथ विश्वासघात किया है। इस पूरे घटनाक्रम ने स्पष्ट कर दिया है कि जब भी निर्णय–निर्माण में महिलाओं को समान भागीदारी देने की बात आती है, ये दल राजनीतिक बहानों और देरी की दीवारें खड़ी कर देते हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा दशकों तक महलाओं को संसद और विधानसभाओं से दूर रखने की साजिश इन दो दिनों की बहस में एक बार फिर उजागर हो गई। ये दल लोकतंत्र के रक्षक होने का दिखावा करते हैं, लेकिन वास्तव में संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ और तुष्टिकरण के कारण महिलाओं को उनके अधकारों से वंचित कर लोकतंत्र की मूल भावना को कमजोर कर रहे हैं। आगे उन्होंने यह भी कहा कि जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया, तब इन विपक्षी दलों ने चुनावों के दबाव में उसका समर्थन किया, लेकिन जब वास्तव में महिलाओं को अधिकार देने का समय आया, तो उनकी महिला–विरोधी सोच खुलकर सामने आ गई। महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने की इस साजिश में समाजवादी पार्टी ने भी धर्म आधारित आरक्षण की असंवैधानिक मांग उठाकर खतरनाक कदम उठाया है, जबकि भारत का संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को स्वीकार नहीं करता। टीएमसी की भी पोल खुल गई हैय जो पार्टी अपने राज्य में महिलाओं की आवाज को हिंसा के जरिए दबाती है, वही संसद में लोकतंत्र की बात कर रही थी। विपक्ष यह नजरअंदाज कर रहा है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का क्रियान्वयन सीधे परिसीमन से जुड़ा हैय परसीमन में देरी का मतलब महिलाओं के आरक्षण में देरी है। इसलिए इन विधेयकों का वरोध करना वास्तव में महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने का प्रयास है। विपक्ष को लगता है कि वह तकनीकी बहानों से जनता को भ्रमित कर सकता है, लेकन आज की महिलाएं सब समझती हैं। यह केवल एक विधेयक का विरोध नहीं था, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रति विपक्ष की हताशा का प्रदर्शन था।

जनपद में दुरूखद सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों के प्रति श्रद्धांजलि शोक संवेदना प्रकट किया, उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं कल रात हुए दुःखद और भयावह सड़क हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के प्रति आत्मीय संवेदना और गहन शोक प्रकट करता हूँ! इस बेहद दुःखद समय में हमारी सरकार पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है! माननीय मुख्यमंत्री जी ने आर्थिक सहायता की घोषणा की है! हमने जिलाधिकारी महोदय से वार्ता करके हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं!

उक्त प्रेसवार्ता में प्रमुख रूप से जिला प्रभारी सरोज कुशवाहा, मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्या, छानबे विधायक रिंकी कोल, नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम की संयोजक जिला उपाध्यक्ष सुनीता शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष आभा सिंह पटेल, जिला मंत्री संध्या पटेल, पूनम चौरसिया के साथ पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

टेंकरो से पेट्रोल चोरी कर मिलावटी तेल को बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

-ढाबे पर संचालित था एथेनश्ल को मिलाने का खेल,तेल चोरी और मिश्रण के उपकरणो सहित 5 गिरफ्तार

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

जनपद में अवैध ईंधन कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना जमुनापार पुलिस, रिवार्डिड टीम, आबकारी विभाग और जिला पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। टीम ने लक्ष्मीनगर–गोकुल रोड स्थित ब्रजवासी ढाबा पर छापा मारकर 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया हैं जो कि टैंकरों से एथेनॉल निकालकर पेट्रोल में अपमिश्रण कर बाजार में बेच रहे थे।

कार्रवाई बुधवार सुबह करीब 7रू30 बजे मुखबिर की सूचना पर की गई। मौके से एक ईको कार, चार टैंकर, करीब 300 लीटर अपमिश्रित तरल पदार्थ और टैंकर से तेल निकालने के उपकरण बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह लंबे समय से इस अवैध धंधे में लिप्त था और ढाबे को ही अपना अड्डा बना रखा था।

गिरफ्तार अभियुक्तों में ढाबा मालिक भूरा उर्फ मनोज (अलीगढ़), राजेंद्र प्रसाद उर्फ बबलू (आगरा), ओमपाल (अमरोहा), अंसार (मेरठ) और प्रमोद कुमार (बुलंदशहर) शामिल हैं। इनमें से कई आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसमें आबकारी और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत पहले से मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने बताया कि अभियुक्त टैंकरों से एथेनॉल निकालकर पेट्रोल में मिलाते थे और उसे बाजार में बेचकर अवैध मुनाफा कमा रहे थे। इस गोरखधंधे से न केवल सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा था, बल्कि आम लोगों की गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका थी।

इस मामले में थाना जमुनापार में मुकदमा संख्या 162ध्26 धारा 3ध्7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई जारी है।

संयुक्त टीम में थाना जमुनापार के निरीक्षक नरेश कुमार, पूर्ति निरीक्षक रविकांत व संतोष कुमार वर्मा, आबकारी निरीक्षक ईशा गोयल व निहांत यादव समेत रिवार्डिड टीम के सदस्य शामिल रहे, जिनकी सक्रियता से यह बड़ी कार्रवाई संभव हो सकी।

बाबा रामदेव संग बिशपों का शतरंजी खेल

लखनऊ क्रिश्चियन (मैथोडिस्ट) प्राइमरी स्कूल की जमीन का घोटाला

कथित रूप से लखनऊ क्रिश्चियन (मैथोडिस्ट) प्राइमरी स्कूल की करोड़ों की जमीन बाबा रामदेव एवं उत्तर प्रदेश के नाम जाने की चर्चा से शहर में हलचल मची हुई है।

यह मामला लखनऊ के सामाजिक और शैक्षिक परिदृश्य को गहराई से झकझोर देने वाला है। जिस जमीन पर बच्चों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जानी चाहिए थी, उसी जमीन को कथित तौर पर करोड़ों के सौदेबाजी और बंद कमरों की सेटिंग के जरिए निजी हाथों में सौंपने की चर्चा ने पूरे शहर को हिला दिया है।

लखनऊ क्रिश्चियन (मैथोडिस्ट) प्राइमरी स्कूल की यह जमीन लखनऊ शहर के बीचों–बीच स्थित है और शिक्षा के लिए अमूल्य धरोहर मानी जाती है।

सूत्रों के अनुसार लीज के नाम पर खुला खेल चल रहा है, आरोप है कि जमीन को लीज के नाम पर वैध दिखाने की कोशिश की गई, जबकि अंदरखाने करोड़ों के लेन–देन की चर्चाएं गर्म हैं।

सूत्रों के अनुसार इसमे सिंडिकेट की भूमिका महत्त्वपूर्ण है रू स्थानीय लोगों का कहना है कि एक पूरे सिंडिकेट ने मिलकर इस बहुमूल्य जमीन को निजी हाथों में डालने की पटकथा लिखी।

अब सवाल ये है कि क्या शिक्षा संस्थानों की जमीन अब दलालों और रसूखदारों के लिए खुला बाजार बन चुकी है?

अगर स्कूलों की संपत्ति भी सुरक्षित नहीं, तो आम आदमी किस पर भरोसा करे?

किसके इशारे पर बच्चों की जमीन को निजी हाथों में सौंपा गया?

कस्टोडियन चर्च ऑफ एस्सेट्स के डॉ राहुल उठवाल, एन बी मोंट्रोज, संजोग वाल्टर, सी आर विलियम, धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, अनुराग सिंह, अबुल कलाम राइन, हिमांशु कॉल, शमी मोह्हम्म्द इरफान, जैसमिन लाल, जयवंत लाल, सुशील पॉल, राजीव कुमार, ठाकुर शिव सागर सिंह, मोह्हम्म्द अफरीन, लोएड एडरसन, सुदीप मित्रा, उत्तम कुमार बनर्जी, सतीश चन्द्र धुलिया आदि ने इस तथाकथित लीज का विरोध किया।

जनता की मांग है कि पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। और लीज की शर्तें सार्वजनिक हो तथा जनता को यह बताया जाए कि किन शर्तों पर जमीन लीज पर दी गई। और जिम्मेदार अधिकारियों और संस्थाओं से स्पष्ट जवाब मांगा जाए। यह मामला केवल जमीन का नहीं, बल्कि समाज के जमीर का भी है।

प्राधिकरण की अचर व्यवस्था, अवर अभियंताओ के हाथ

अवैध निर्माणों की बाढ़ नोटिस तक सीमित कार्रवाई पर उठे सवाल

अवैध निर्माणो को रोके कौन, प्राधिकरण के अवर अभियंता मौन, कार्यवाही करे कौन

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

मथुरा वृन्दावन प्राधिकरण की उपाध्यक्ष के

सख्त निर्देशन मे सचिव के नेतृत्व मे अवैध निर्माण पर अंकुश तो लग रहा हैं लेकिन क्षेत्रीय अवर अभियंता अवैध निर्माण पर मुकदर्शक बनकर अपना पल्ला झाड़ते नजर आते हैं। जब अवैध निर्माण की शिकायते प्राधिकरण के कौने कौने मे गूंजने लगती हैं तब क्षेत्रीय अवर अभियंता पूर्ण हुए अवैध निर्माण को साठ गांठ कर पुराना बताकर शिकायतों को शून्य कर देते हैं। जब शिकायते प्राधिकरण के आला अधिकारियो के कानो तक पहुँचती हैं तब आनन फानन मे नोटिस निर्गत कर अपना पल्ला झाड़ते हैं। क्षेत्रीय अवर अभियंताओ की साठ गांठ के चलते शहर में अवैध और बिना नक्शा पास कराए हो रहे कमर्शियल निर्माणों की बढ़ती संख्या को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। हालात ऐसे बनते जा रहे हैं मानो मथुरा में अवैध निर्माणों की बाढ़ आ गई हो। बिना मानकों के नियमों को दरकिनार कर धड़ल्ले से व्यावसायिक निर्माण किए जा रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग की कार्रवाई केवल नोटिस जारी करने तक सिमटकर रह गई है।मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माण पर नोटिस जारी तो किया जाता है फिर उसके बाद होता हैं असली खेल, इनके बाद प्रभावी कार्रवाई न होने से नोटिस प्रक्रिया पर ही सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नोटिस जारी होने के बाद कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली जाती है और फिर सांठगांठ के जरिए मामले दबा दिए जाते हैं।

शहर के मुख्य क्षेत्रों के मुख्य मार्ग स्थित धौलीप्याऊ, यमुनापार, लक्ष्मीनगर, वृन्दावन जैसे अन्य क्षेत्रों में बिना स्वीकृत मानचित्र के व्यवसायिक इमारतें, गैस्ट हाउस तेजी से खड़ी हो रही हैं। नियमों की अनदेखी कर हो रहे इन निर्माणों से न केवल राजस्व को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं पर भी दबाव बढ़ रहा है।वही क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यदि विकास प्राधिकरण सख्ती से ध्वस्तीकरण और दंडात्मक कार्रवाई करे तो अवैध निर्माणों पर रोक लग सकती है, लेकिन वर्तमान में केवल नोटिस जारी कर खानापूर्ति की जा रही है। इससे प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जिलाधिकारी ने हीट वेव कि तैयारियों के सम्बंध में विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर की समीक्षा

मीरजापुर 23 अप्रैल 2026– जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में हीट वेव के प्रभावों को न्यून करने करने के उद्देश्य से समस्त संबंधित विभागों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से समस्त संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों द्वारा साझा कि गयी हीट वेव रोकथाम कि विभागीय योजना कि समीक्षा कि गयी।

बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित

विभागों को दिशा–निर्देश जारी करते हुये कहा कि समस्त विभागाधिकारी अपने वाहनों पर हीट वेव जागरुकता का पोस्टर लगा लें, मनोरंजन विभाग द्वारा समस्त सिनेमा घरों में हीट वेव जागरुकता वीडियो का प्रसारण करवाया जाये, परिवहन विभाग द्वारा बस स्टैंड–मंदिर–धार्मिक स्थल एवं रेलवे स्टेशन इत्यादि परिसरों में छाँव घर एवं प्याऊ कि व्यवस्था कि जाये, शिक्षा विभाग द्वारा हीट वेव कि मौसम संबंधित चेतावनी के अनुसार स्कूल के समय में बदलाव किया जाये एवं स्कूलों में पीक हीट पीरियड में बाहरी फील्ड कि गतिविधियों को रोकने एवं स्कूलों में पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेय जल इत्यादि कि व्यवस्था कि जाये, विद्युत विभाग को जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि हीट वेव के दौरान मुख्यतः पीक हीट आवर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किया जाये, जल निगम को क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया, नगर विकास–नगर पालिका– नगर पंचायत– श्रम विभाग द्वारा हीट वेव के परिप्रेक्ष्य में चिंहित संवेदनशील क्षेत्र तथा विभिन्न फैक्ट्रियों में पर्याप्त मात्रा में पेयजल, छाँव क्षेत्र कि व्यवस्था के साथ श्रम विभाग यह सुनिश्चित करे कि विभिन्न फैक्ट्रियों में पीक हीट आवर के दृष्टिगत कार्मिकों के ड्यूटी की समय सारणी में बदलाव किया जाए। जिलाधिकारी ने सहायक श्रमायुक्त के बैठक में अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि सभी सम्बन्धित अधिकारी के द्वारा हीट वेव से बचाव हेतु क्या किया जा रहा है उसकी कार्य योजना बनाकर दिनांक 24 अप्रैल 2026 तक प्रत्येक दशा में आपदा विशेषज्ञ उपलब्ध करा दें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0 अजय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी0एल0 वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक माया राम, आपदा विशेषज्ञ अंकुर गुप्ता सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

पृथ्वी दिवस पर बालिकाओं ने किया वृक्षारोपण,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर भी दी जानकारी

मीरजापुर।पृथ्वी दिवस को लेकर नगर विकास विभाग द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में बाइस अप्रैल से चौबीस अप्रैल तक चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद मीरजापुर द्वारा नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी के निर्देश पर नगर के सिटी क्लब

में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें जे.सी बालिका इंटर कॉलेज और जे.सी बाल निकेतन के बालिकाओ ने प्रतिभाग किया। जहा सीएसआई मनोज सेठ द्वारा बच्चों को पर्यावरण संरक्षण,जलवायु परिवर्तन के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया है।स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर बच्चों को जागरूक किया गया और उनसे फीडबैक देने के लिए भी कहा गया।विद्यालय से आए टीचरों द्वारा भी बच्चों को जानकारी दी गई और उन्होंने अपने अनुभव को सांझा किया।बालिकाओं ने सिटी क्लब के परिसर में ही वृक्षारोपण भी किया।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत बालिकाओं को विधिक साक्षरता के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी जिला न्यायालय के तरफ से आए प्रतिनिधि जयप्रकाश द्वारा दी गई।उन्होंने बच्चों को बताया कि कैसे कचरा प्रबन्धन किया जाता है,उन्हें स्वच्छता को लेकर जागरूक भी किया गया।इस मौके पर हर्ष नारायण दुबे,संकल्प पाण्डेय,अमजद, अनुपम शुक्ला,सफाई नायक, स्वच्छ भारत मिशन के कर्मचारियों सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ड्रमंडगंज सड़क हादसे पर पालिका में शोक सभा का आयोजन

नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी एवं सभासदों ने दो मिनट का मौन रखकर व्यक्त की शोक संवेदना

मीरजापुर।बीते रात ड्रमंगगंज पर हुए सड़क हादसे में हुई कुल ग्यारह मौतों पर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी, सभासदो,अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पालिका में हुए शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर मृतक आत्माओं के शांति के लिए प्रार्थना की।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा कि बीते रात हुई यह घटना बहुत हृदय विदारक है।इस घटना में एक ही परिवार के नौ लोग समेत कुल ग्यारह लोगों की मृत्यु हो गई है।इस घटना से परिवार को बड़ी क्षति पहुंची है।इस घटना के छोटे बच्चों सहित कई लोगों ने अपनी जान गंवा दी।इस विभत्स घटना से हम सभी स्तब्ध है और आहत है।इस घटना में जान गंवाने वाले उन परिवार वालों के स्वजनों के प्रति नगर पालिका परिवार शोक

संवेदना व्यक्त करता है।मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस तरह की घटना मीरजापुर में दोबारा न हो और इसके साथ ही ईश्वर से उन दिवंगत आत्माओं के शांति और पीड़ित परिवार को इस दुःख को सहने को शक्ति देने के लिए प्रार्थना करता हूं।इस मौके पर सभासद विजय प्रजापति,राम यादव,नीरज गुप्ता,अमित मिश्रा,शरद सरोज,सीएसआई मनोज सेठ,लिपिक,संजय कुशवाहा, आरआई राजित यादव,अश्वनी गुप्ता, कन्हैया गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

स्मार्ट मीटर लगाने के काम पर रोक सांसद

यूपी के जौनपुर में गुरुवार को राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने विभिन्न समसामयिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्मार्ट मीटर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब स्मार्ट मीटर लगाने का काम रोक दिया गया है और जनता को इस संबंध में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।सांसद द्विवेदी ने कहा कि सरकार और संबंधित मंत्री ने निर्णय लेते हुए स्मार्ट मीटर की स्थापना पर फिलहाल रोक लगा दी है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, क्योंकि अब नए स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे।राजनीतिक मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने आल इंडिया त्रिमूल पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी को कानून, संविधान और लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है और वह अपने हितों के अनुसार काम करती है। उन्होंने मान्यता को संविधान के दायरे में रहकर काम करने की सलाह दी और दावा किया कि पश्चिम बंगाल में आगामी समय में भाजपा की सरकार बन सकती है।वहीं के कांग्रेस सांसद द्वारा प्रधानमंत्री न पर की गई टिप्पणी की उन्होंने कड़ी निंदा की। द्विवेदी ने इसे राजनीतिक दिवालियापन बताते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल बेहद शर्मनाक है और इसकी व्यापक स्तर पर आलोचना होनी चाहिए। नारी शक्ति अधिनियम के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि विधेयक पारित हो चुका है, लेकिन इसके क्रियान्वयन के लिए संवैधानिक प्रक्रियाएं आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि परिसीमन और जनगणना जैसी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही इसे प्रभावी रूप से लागू किया जा सकेगा। सांसद द्विवेदी के इन बयानों के बाद स्मार्ट मीटर और अन्य राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

अधिवक्ताओं ने डीएम से तहसीलदार की शिकायत

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को मछलीशहर तहसील के अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र से तहसीलदार रवि रंजन कश्यप और नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव के खिलाफ शिकायत की है। अधिवक्ताओं ने दोनों अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं में लिप्त होने का आरोप लगाया है।अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसीलदार रवि रंजन कश्यप और नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव बिना पैसे लिए कोई काम नहीं करते। उनके अनुसार, बिना धन उगाही के किसी भी पत्रावली पर निर्णय नहीं लिया जाता और मोल–भाव किया जाता है।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई।प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने कोलकाता की यात्रा की थी। उस दौरे पर उन्होंने तत्कालीन रेल मंत्री के कालीघाट स्थित घर का दौरा किया था। तब उन्होंने मंत्री की मां से उलाहना दिया था, आपकी बेटी मुझे बहुत परेशान करती हैं। कहना न होगा कि वह शख्सियत डेढ़ दशक से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। ममता बनर्जी लड़ाका है। धूल से उठकर राजनीतिक आसमान का तारा अगर वे बनी हुई हैं, उसकी वजह उनका सघर्षशील व्यक्तित्व ही है। लेकिन कोलकाता के मैदान में इस बार यह योद्धा फंसा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह उनसे दो–दो हाथ कर रही है, निश्चित तौर पर उसके पीछे नरेंद्र मोदी की अगुआई में बंगाल की धूल में लगातार परिश्रम कर रहे बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। आज अगर बंगाली की सियासी लड़ाई आर–पार के दौर में आ चुकी है तो इसके पीछे अमित शाह की रणनीति काम कर रही है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते–जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और जमीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार–बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है। साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मजबूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की। ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है।

सम्पादकीय

लोगों के मन पर संदेह

सवाल यह नहीं है कि निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है या नहीं। प्रश्न है कि इसको लेकर लोगों के मन में संशय क्यों है? शक भरे माहौल के कारण ही राजनीतिक गुटों के लिए लोगों को भड़काना आसान हो गया है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले माहौल अशांत और अराजक किस्म का है। लोगों के मन पर संदेह और आशंकाओं का साया है। इसकी ही मिसाल मालदा जिले में कलियाचक में देखने को मिली। वहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार मतदाता सूची पर आई आपत्तियों को निपटाने के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को प्रखंड कार्यालय में दस घंटों तक भीड़ ने बंधक बनाकर रखा। अहम मुद्दा यह नहीं है कि इसके पीछे किसका हाथ था। काबिल–ए–गौर यह है कि वहां महिलाओँ और बच्चों समेत ऐसी भीड़ जुटी, जिसके आक्रोश से न्यायिक अधिकारियों को बचाने में घंटों लग गए। सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही इस पर नाराजगी जताई।

मगर, इसके लिए सिर्फ स्थानीय अधिकारियों को जवाबदेह मानना सही नहीं होगा। असल उत्तरदायित्व निर्वाचन आयोग का है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से आयोग ने राज्य में अफसरों के रिकॉर्ड– 480 से अधिक– तबादले किए हैं। इसलिए ऊपर से नीचे तक जो भी अधिकारी तैनात हैं, कर्त्तव्य निर्वहन में उनकी खामी का सर्वोच्च दायित्व आयोग पर जाता है। बहरहाल, उससे भी बड़ा मसला एसआईआर को जिस तरह किया गया, वो है। इस पर दस लाख आपत्तियों आईं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के दबाव में जल्दबाजी में निपटाया गया। नतीजतन, ये धारणा बनी कि आयोग ने अपना काम ठीक से नहीं किया है।

इसी कारण विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम तरह की श्साजिशाना कहानियोंश् को बल मिला है। सवाल यह नहीं है कि निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है या नहीं। प्रश्न है कि इसको लेकर लोगों के मन में संशय क्यों है? शक के ऐसे ही माहौल के कारण राजनीतिक गुटों के लिए लोगों को भड़काना आसान हो गया है। राज्य में माहौल कैसा है, इसकी कुछ झलक सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों से भी मिली है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायालय का हस्तक्षेप भी उन कारणों को दूर नहीं कर पाया, जिनकी वजह से चुनाव प्रक्रिया को लेकर अविश्वास का माहौल बना है। अतरू निर्वाचन आयोग की जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत है, जिसके तौर–तरीकों से भारत के चुनावों की साख पर सवाल गहराते जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में माइनोरिटी, मेजारिटी, मसल्स, मनी, मैनेजमेंट, ममता और मोदी का चुनाव है

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव एक साधारण चुनाव नहीं है जिसमें सत्ता की लड़ाई हो। दो विचारों, अस्मिता, बर्चस्व, अस्तित्व की संघर्ष की लड़ाई यहां से बंगाल कहां जाएगा यह तय होगा। सही मायनों माइनोरिटी, मेजॉरिटी, मसल्स, मनी, मैनेजमेंट, ममता और मोदी की लड़ाई है।294 सदस्यीय विधानसभा सीटों में से 142 पर 23 को अप्रैल वोट डाले जाएंगे। गार्जियन के चीफ एडिटर चित्रा घोष कहती है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी बहुत ही सादे भेष में चुनाव लड़ रही है। उसने 2021तरह इस बार ममता बनर्जी को बिना नाम लिए सरकार पर हमला किया है उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी ने बंगाल से सीपीएम जैसी कादर आधारित पार्टी 2011के विधानसभा चुनाव में उखाड़ दिया था लेकिन 2006 विधानसभा चुनाव में तुड़मूल कांग्रेस ने केवल 35 सीट प्राप्त की थी ।तब बंगाल में सीपीएम सीपीई की सरकार बनी थी लेकिन 2010 में मुख्यमंत्री बासुदेव भट्टाचार्य ने टाटा को कार बनाने के लिए नंदीग्राम में जगह दी थी वही से ममता बनर्जी का राजनीतिक उदय हुआ ।2011 में सीपीएम विधानसभा चुनाव हार गई । हिंदू के संपादक जयंत घोषाल कहते हैं कि 2026 का विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी का चुनाव है ।2021 में भारतीय जनता पार्टी ने 40 प्रतिशत वोट हासिल किए और 77 विधायक चुने गए। तुड़मूल कांग्रेस ने 200 से अधिक सीट प्राप्त किया।

कभी ब्रिटिश राज्य की राजधानी रही कोलकाता को महलों , इमारतों का शहर माना जाता है। ब्रिटिश राज्य सबसे पहले बंगाल में कायम हुआ । क्लाइव राइस ने 1757 में प्लासी की लड़ाई में बंगाल के नबाब सिराजुद्दौला को हरा कर ब्रिटिश राज्य की स्थापना की तत्कालीन समय में बंगाल में आज का बांग्लादेश,असम,उड़ीसा, बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों का का समूह था ।इसकी राजधानी मुर्शिदाबाद थी लेकिन ब्रिटिश ने कलकत्ता बनाई और एक किला भी बनाया जो शासन केंद्र था इसमें ब्रिटिश फौज रहती थी जिसका नाम था फोर्ट विलियम। मंगल पांडे ने इसी बंगाल की धरती से ब्रिटिश राज्य के खिलाफ बैरिक पुर से आजादी का बिगुल बजा दिया था 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ ।आजादी के समय कांग्रेस ही मुख्य पार्टी थी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, खुदीराम बोस, रामकृष्ण परमहंस,शिशिर बसु, अरविंद घोष, विधानचंद्र राय, विपिन चंद्र पाल,जैसे नेता हुए ।

पश्चिम बंगाल में सत्ता विरोधी लहर का फायदा क्या उठा पाएगी भाजपा?

मतदाताओं के एक हिस्से में यह धारणा भी है कि भाजपा की राजनीति अत्यधिक ध्रुवीकरण पर आधारित है। धार्मिक और पहचान की राजनीति का असर भले कुछ क्षेत्रों में दिखता हो, लेकिन पूरे राज्य में यह रणनीति कितनी कारगर होगी, इस पर सवाल बना हुआ है। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। सवाल सीधा है कि क्या सत्ताविरोधी माहौल को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने पक्ष में मोड़ पाएगी? या फिर ममता बनर्जी का जादू एक बार फिर कायम रहेगा? वैसे राज्य में चुनावी हवा भले ही बदलाव की सुगबुगाहट दिखा रही हो, लेकिन जमीन पर हालात इतने सरल नहीं हैं। देखा जाये तो इस बार के चुनावों में भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लगातार रैलियां, केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता और संगठन की आक्रामक रणनीति यह संकेत देती है कि पार्टी किसी भी कीमत पर बंगाल में सत्ता का स्वाद चखना चाहती है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी अपनी पकड़ ढीली पड़ने देने के मूड में नहीं है। ममता बनर्जी, जो लंबे समय से राज्य की राजनीति का केंद्र रही हैं, अब भी अपने जनाधार और कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे मैदान में डटी हुई हैं। उधर, भाजपा के लिए उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है 'एंटी–इंकम्बेंसी' यानी सत्ता के खिलाफ बढ़ती नाराजगी। टीएमसी सरकार पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अक्षमता और कानून–व्यवस्था के सवालों को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर रहा है। भर्ती घोटाले, स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की दबंगई और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे भाजपा के चुनावी एजेंडे के केंद्र में हैं। पार्टी का दावा है कि जनता बदलाव चाहती है और इस बार वोट उसी दिशा में जाएगा। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही मजबूत है। ममता बनर्जी ने बीते वर्षों में महिला मतदाताओं, ग्रामीण गरीबों और अल्पसंख्यकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत की है। 'लक्ष्मी भंडार' जैसी योजनाओं ने महिलाओं के बीच भरोसा पैदा किया है, जबकि अन्य सामाजिक योजनाओं ने गरीब तबकों को सीधे लाभ पहुंचाया है। यही कारण है कि भाजपा के आक्रामक अभियान के बावजूद टीएमसी का आधार पूरी तरह हिलता नजर नहीं आता। इसके अलावा, भाजपा की रणनीति में एक अहम किरदार हैं शुभेन्दु अधिकारी, जो कभी ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी थे और अब उनके सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बन चुके हैं। शुभेन्दु अधिकारी ने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को मात दी थी और इस बार ममता बनर्जी को उनके गढ़ भवानीपुर में चुनौती दे रहे हैं। शुभेन्दु अधिकारी राज्य में भाजपा का चेहरा बनने का प्रयास कर रहे हैं हालांकि, उनका प्रभाव सीमित इलाकों तक ही केंद्रित माना जाता है, और पूरे बंगाल में एक व्यापक लहर खड़ी करना उनके लिए आसान नहीं है। हम आपको याद दिला दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल में टर्निंग प्वाइंट साबित हुए थे। पार्टी ने उस चुनाव में अप्रत्याशित सफलता हासिल करते हुए खुद को एक मजबूत विपक्ष के रूप में स्थापित किया था। उसी प्रदर्शन के आधार पर भाजपा को उम्मीद थी कि वह विधानसभा चुनाव में सत्ता तक पहुंच सकती है। लेकिन बाद के चुनावी अनुभवों ने यह भी दिखाया कि लोकसभा और विधानसभा की राजनीति में मतदाताओं का व्यवहार अलग हो सकता है। एक और चुनौती भाजपा के सामने सांस्कृतिक और भाषाई असंतुलन की है। बंगाल की अपनी विशिष्ट पहचान है, और यहां बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा अक्सर उभरता रहता है। भाजपा के कई नेताओं के बयान और रणनीतियां कभी–कभी स्थानीय संवेदनशीलताओं से मेल नहीं खातीं, जिससे पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। टीएमसी इस मुद्दे को भुनाने में माहिर रही है और खुद को 'बंगाल की असली आवाज' के रूप में पेश करती है। इसके अलावा,

मतदाताओं के एक हिस्से में यह धारणा भी है कि भाजपा की राजनीति अत्यधिक ध्रुवीकरण पर आधारित है। धार्मिक और पहचान की राजनीति का असर भले कुछ क्षेत्रों में दिखता हो, लेकिन पूरे राज्य में यह रणनीति कितनी कारगर होगी, इस पर सवाल बना हुआ है। बंगाल का सामाजिक ताना–बाना जटिल है, और यहां की राजनीति सिर्फ एक मुद्दे पर नहीं टिकती। दूसरी ओर, टीएमसी के खिलाफ असंतोष को पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। ग्रामीण इलाकों में विकास की असमानता, स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और रोजगार के अवसरों की कमी जैसे मुद्दे लोगों के बीच चर्चा में हैं। भाजपा इन्हीं सवालों को उठाकर खुद को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहती है। वैसे बंगाल की चुनावी लड़ाई सिर्फ आंकड़ों और नारों की नहीं है, बल्कि भावनाओं, पहचान और भरोसे की भी है। भाजपा के पास आक्रामक अभियान और राष्ट्रीय नेतृत्व का समर्थन है, लेकिन टीएमसी के पास जमीनी नेटवर्क और ममता बनर्जी की व्यक्तिगत लोकप्रियता है।

रेल पटरियों का आधुनिकीकरण

अश्विनी वैष्णव

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं।पूरी व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। लेकिन जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी चीज ट्रेन की चाल को प्रभावित कर सकती है।रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने एक दशक से अधिक समय पहले व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल थे। इन सभी प्रयासों ने मिलकर रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है।2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार–बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं।मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है।अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश–बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और रेल को घिसकर बराबर करने का काम हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एक समान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी को मजबूत बनाए रखने का काम करती है। लेकिन समय के साथ ट्रेनों के लगातार वजन और कंपन से ये पत्थर टूटकर पाउडर जैसे हो जाते हैं। इससे गिट्टी की परत जाम हो जाती है और वह ठीक से काम नहीं कर पाती।इसलिए गिट्टी की सफाई की जाती है, ताकि पटरी फिर से सही हालत में आ जाए। यह काम एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल पटरियों पर किया जा चुका है और ज्यादातर काम मशीनों से हुआ है। इसी तरह पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है।हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए ट्रेनों के बीच रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। लेकिन सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किलोमीटर तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं।जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रॉसिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है, खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है।रेल पटरियों के आधुनिकीकरण का सबसे साफ असर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने की क्षमता के रूप में दिखाई देता है।130 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ 6 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार वाली पटरी पहले करीब 40 प्रतिशत थी, जो अब 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे सफर का समय कम हुआ है, ट्रेनें ज्यादा समय पर चल रही हैं और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज ट्रेनें चलाना आसान हुआ है। इन सुधारों का असर सुरक्षा पर भी दिखा है। 2014–15 में 135 बड़े रेल हादसे हुए थे, लेकिन 2025–26 में यह संख्या घटकर सिर्फ 16 रह गई। यानी हादसे लगभग 89 प्रतिशत कम हो गए। हर 10 लाख किलोमीटर चलने वाली ट्रेनों पर हादसों की दर भी 0.11 से घटकर 0.01 हो गई है। यह लगभग 90 प्रतिशत सुधार है। खास बात यह है कि ट्रेनों और यात्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद हादसे कम हुए हैं।

अब रेलवे ने एक नई ऑनलाइन व्यवस्था भी शुरू की है, जिसे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम(टीएमएस) कहा जाता है। इसमें पटरी की जांच, ट्रेन के सफर की गुणवत्ता और पटरी की हालत से जुड़ी सारी जानकारी एक जगह मिल जाती है। इससे रेलवे को जल्दी समझ आ जाता है कि कहां काम करने की जरूरत है और समय रहते सुधार किया जा सकता है।

बारह साल पहले भारत की 60 प्रतिशत रेल पटरियां 110 किलोमीटर प्रति घंटे से कम रफ्तार तक ही सीमित थीं। रेल पटरी टूटने की घटनाएं आम थीं और ज्यादातर रखरखाव हाथ से किया जाता था। आज स्थिति बदल चुकी है। अब करीब 80 प्रतिशत रेल नेटवर्क 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार संभाल सकता है। रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि–

राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा।

वृष राशि–

वृष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर के किसी काम को लेकर आप बड़ा फैसला कर सकते हैं।

मिथुन राशि–

मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी ट्रिप पर जायेंगे, जहां खूब इंजॉय करेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को सफलता मिलती रहेगी।

कर्क राशि–

कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला अनुभव लेकर आएगा। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे। प्रतियोगी परीक्षा के लिये प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह राशि–

सिंह राशि वालों आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए नई खुशियां लेकर आया है। आज आपको शुभ सन्देश मिल सकता है, परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कन्या राशि–

कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कुछ बेहतर करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं, काम करने में आसानी होगी।

तुला राशि–

तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज किसी बात को सोचकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि–

वृश्चिक राशि वालों आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं।

धनु राशि–

धनु राशि वालों आज आपके लिए दिन पॉजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे।

मकर राशि–

मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे,

कुंभ राशि–

कुंभ राशि वालों आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक शाम का प्रोग्राम बन सकता है। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। आप जितनी मेहनत करेंगे आपको उतने ही बढ़िया नतीजे भी मिलेंगे।

मीन राशि–

मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

सोशल मीडिया पेज डीएक्टिवेट होने पर सपा नेता इंजीनियर सुनील यादव का हमला, बोले ”आवाज दबाना लोकतंत्र के लिए खतरा“

आजमगढ़जनपद में सपा कार्यालय पर देश में चल रहे मौजूदा राजनीतिक माहौल के बीच सोशल मीडिया की स्वतंत्रता को लेकर आजमगढ़ में नया विवाद सामने आया है। समाजवादी पार्टी कार्यालय, आजमगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सपा नेता इंजीनियर सुनील कुमार यादव ने आरोप लगाया कि उनकी आवाज को दबाने के उद्देश्य से उनका सोशल मीडिया पेज पहले सस्पेंड किया गया और बाद में बिना किसी सुनवाई के डीएक्टिवेट कर दिया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए इंजीनियर सुनील यादव ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका बेहद अहम होती है। उन्होंने कहा कि जैसे किसी छात्र के लिए सवाल पूछना आवश्यक होता है, उसी प्रकार सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। यदि किसी नीति में खामियां हैं और उससे कोई वर्ग प्रभावित हो रहा है, तो उस पर आवाज उठाना लोकतंत्र को मजबूत करता है। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष के दौरान उनके सोशल मीडिया पेज से एक लाख से अधिक लोग जुड़े थे। हाल ही में उन्होंने कुछ राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर पोस्ट साझा किए थे, जिसके बाद अचानक उनका पेज सस्पेंड कर दिया गया। उनका आरोप है कि मात्र 24 घंटे के भीतर बिना किसी स्पष्ट कारण बताए और बिना पक्ष सुने उनका अकाउंट पूरी तरह डीएक्टिवेट कर दिया गया।सपा नेता ने दावा किया कि उनके किसी भी पोस्ट में ऐसी कोई भाषा या सामग्री नहीं थी, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की नीतियों का उल्लंघन करती हो। उन्होंने कहा कि उन्होंने सरकार की नीतियों, मीडिया की भूमिका और कुछ प्रमुख घटनाओं को लेकर सवाल उठाए थे। साथ ही उन्होंने हिंसा के खिलाफ पोस्ट करते हुए लोगों से संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके अपनाने की अपील भी की थी।इंजीनियर सुनील यादव ने आरोप लगाया कि उनकी पोस्टों को संगठित तरीके से रिपोर्ट कराया गया, जिसके चलते उनका अकाउंट बंद किया गया। बिना किसी संगठन का नाम लिए उन्होंने संकेत दिया कि यह किसी ”आईटी सेल“ की रणनीति हो सकती है, जिसे उनके विचारों से आपत्ति थी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति या संस्था पर सीधे आरोप लगाना उचित नहीं होगा।उन्होंने मीडिया की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मीडिया को केवल सत्ता पक्ष ही नहीं बल्कि विपक्ष की आवाज को भी समान महत्व देना चाहिए। यदि मीडिया एकतरफा हो जाएगी तो लोकतंत्र कमजोर होगा।उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह अपनी आवाज उठाना बंद नहीं करेंगे और जनता के मुद्दों को लगातार उठाते रहेंगे, चाहे कितनी भी बाधाएं क्यों न आएं।वहीं, ओमप्रकाश राजभर को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ”जो अपने समाज का सम्मान नहीं कर सकता, उसके बारे में बात करना समय की बर्बादी है। वे कभी भी कुछ भी बोलते रहते हैं।“

प्रेम में टूटे सपनों का दर्द, शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, दो घंटे तक चला हाई वोल्टेज ड्रामा

आजमगढ़जनपद के बिलरियागंज थाना अंतर्गत तोहफापुर गांव में प्रेम प्रसंग में दिल टूटने का दर्द उस समय खौफनाक मंजर में बदल गया जब एक युवक अपनी प्रेमिका की शादी कहीं और तय होने की सूचना मिलने के बाद खुदकुशी की धमकी देते हुए मोबाइल टावर पर चढ़ गया। बुधवार सुबह बिलरियागंज थाना क्षेत्र के तोहफापुर गांव में हुई इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। जानकारी के अनुसार तोहफापुर गांव निवासी अर्जुन मौर्य (25 वर्ष) पुत्र स्व. ताड़केश्वर मौर्य का गांव की ही एक युवती से प्रेम संबंध बताया जा रहा है। दोनों के बीच लंबे समय से बातचीत और नजदीकियां थीं। इसी बीच युवक को जानकारी मिली कि युवती के परिजनों ने उसकी शादी किसी अन्य युवक से तय कर दी है।

बताया जा रहा है कि यह खबर सुनते ही अर्जुन पूरी तरह टूट गया। वह सुबह करीब 7 बजे गांव के पास स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया और ऊपर से कूदकर जान देने की धमकी देने लगा। युवक को टावर पर चढ़ा देख ग्रामीणों में अफरा–तफरी मच गई। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। हर किसी की निगाहें टावर पर खड़े युवक पर टिकी थीं और लोग उसे नीचे उतरने की अपील कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही बिलरियागंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने काफी धैर्य और समझदारी का परिचय देते हुए युवक को समझाने का प्रयास शुरू किया। करीब दो घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के दौरान परिजन भी मौके पर पहुंचे और युवक से नीचे उतरने की गुहार लगाते रहे।

आखिरकार पुलिस की सूझबूझ और ग्रामीणों के सहयोग से सुबह करीब 8रू30 बजे युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। युवक के नीचे आते ही परिजनों ने राहत की सांस ली। कई लोगों की आंखें नम हो गईं, क्योंकि कुछ देर की जिद एक परिवार को जिंदगी भर का दर्द दे सकती थी। इसके बाद पुलिस युवक को बिलरियागंज थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। इस मामले में एसएसआई योगेंद्र पाल ने बताया कि युवक भावनात्मक तनाव में आकर टावर पर चढ़ गया था। पुलिस टीम ने उसे सकुशल नीचे उतार लिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि भावनाओं में बहकर उठाया गया एक गलत कदम न सिर्फ अपनी जिंदगी बल्कि पूरे परिवार की खुशियां भी छीन सकता है।

गर्म हवा व लू से बचाव को लेकर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी

आजमगढ़ (आर एन एस)जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आजमगढ़ द्वारा एडवाइजरी जारी कर लू से बचाव के उपाय,लक्षण एवं उपचार आदि के बारे में जनपदवासियों को जागरूक किया गया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा है कि जन–सामान्य लू से बचाव को लेकर बताये उपायों को अमल में लायें और अपना बचाव करें। हीटवेब (लू) से बचाव के लिए संबंधित विभाग को अपनी अपनी तैयारी कर पूरी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है तथा उससे संबंधी एहतियातें बरती जायें तथा सुरक्षात्मक उपायों को अपनाया जाये। गर्मी के हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफलेक्टर जैसे एलुमिनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर, जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आतीं हैं, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को रेडियो व अन्य संसाधनों के माध्यम से सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें।बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोड़ें। जहां तक सम्भव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के ताप से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहें। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें। मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। अपर जिलाधिकारी गंभीर सिंह ने बचाव के बारे में बताते हुए कहा कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को न छोड़ें। खाना बनाते समय घर के खिड़की दरवाजे आदि खुले रखें जिससे हवा का आना जाना बना रहे। नशीले पदार्थों, शराब अथवा अल्कोहल से बचें। उच्च प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें तथा बासी भोजन कतई न इस्तेमाल करें इसके साथ ही संतुलित व हल्का आहार लें। दोपहर के समय यदि बहुत आवश्यक हो तभी घर से धूप में बाहर निकलें अन्यथा धूप में जाने से बचें और यदि जाना ही पड़े तो सिर को जरूर ढकें। घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छांछ, मट्ठा, बेल का शर्बत, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि अभी आगे गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा इसलिए गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना चाहिए।

जल जीवन मिशन ने बदली तस्वीररू 5.92 लाख घरों तक पहुंचा नल कनेक्शन, 1191 गांव 'हर घर जल' प्रमाणित

आजमगढ़ (आर एन एस) जनपद में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना तेजी से ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही है। गांव–गांव शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत आजमगढ़ में अब तक बड़ी प्रगति दर्ज की गई है। लाखों परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं, जबकि हजारों गांवों में नियमित पेयजल आपूर्ति शुरू हो चुकी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद आजमगढ़ में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 1463 पेयजल योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इन योजनाओं के माध्यम से जिले के 3603 राजस्व ग्रामों को लाभान्वित किया जाना है।वर्तमान स्थिति की बात करें तो अब तक 1928 राजस्व ग्रामों में पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इनमें से 1191 राजस्व ग्रामों को ”हर घर जल“ के तहत प्रमाणित भी किया जा चुका है, जो योजना की सफलता को दर्शाता है।वहीं जिले में कुल 6,23,970 घरों को नल कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके सापेक्ष अब तक 5,92,132 घरों को हाउस कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है, जो कुल लक्ष्य का 94.89 प्रतिशत है।अधिकारियों के अनुसार इनमें से 3,33,948 घरों में नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति की जा रही है, जबकि शेष घरों तक जलापूर्ति शुरू करने के लिए तेजी से कार्य कराया जा रहा है।ग्रामीण इलाकों में वर्षों से पेयजल संकट झेल रहे लोगों के लिए यह योजना राहत बनकर सामने आई है। खासतौर पर महिलाओं और बच्चों को अब दूर–दराज हैंडपंप या कुओं से पानी लाने की परेशानी से काफी हद तक राहत मिली है।

’कब लगती है लू’

गर्मी में शरीर के द्रव्य बॉडी फ्लूड सूखने लगते हैं। शरीर में पानी, नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। ’शराब की लत, हृदय रोग,पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किंसंस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह वाले व्यक्तियों को लू से विशेष बचाव करने की जरूरत है’ इसके अलावा मानसिक रोग की औषधि का उपयोग करने वाले व्यक्ति भी लू से सावधान रहें। उष्ण–लहर (लू) के प्रभाव आधारित पूर्वानुमान एंव चेतावनी के अंतर्गत जनपद आजमगढ़ में 26 अप्रैल 2026 तक उष्ण–लहर (लू) चलने की संभावना बताई गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग, लखनऊ द्वारा जारी चेतावनी को दृष्टिगत रखते हुए अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0)ध्प्रभारी अधिकारी (आपदा) गंभीर सिंह द्वारा आम जनमानस के हित में उष्ण–लहर (लू) के प्रभाव से बचाव हेतु क्या करे और क्या ना करें के संबंधा एडवाइजरी जारी कि गई है–घर से बाहर जाते समय शरीर को ढककर रखें और हल्के रंग के आरामदायक कपड़े पहने। धूप में बाहर जाते समय गमछा, चश्मा, छाता, टोपी एवं जूता पहनकर ही घर से बाहर निकले। थोड़े–थोड़े समयान्तराल पर तरल पदार्थ (शीतल जल, नींबू पानी, शिकंजी, नारियल पानी) आदि का सेवन करते रहें। घर, कार्यस्थल आदि स्थानों पर सूर्य की सीधी रोशनी से बचनें के लिए पर्दे आदि का प्रबंध अवश्य करें। यात्रा करते समय अपने साथ बोतल में पानी जरुर रखें। गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें। गर्मी के दिनों में ओ0आर0एस0 का घोल पिये। जानवरों को छायादार स्थान में रखें तथा उन्हे पीने के लिये पर्याप्त मात्रा में पानी दें। बच्चें, बीमार व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। रात में अपने घरो की खिड़िकियो को अवश्य खुली रखें। हीट स्ट्रोकध्लू के लक्षण दिखने पर तत्काल नजदीकी राजकीय चिकित्सालय पर संपर्क करें। अत्यधिक गर्मी (दोपहर 12 से सांय 4 बजे) के मध्य बाहर धूप में ना जायें। धूप में खडें वाहनों में बच्चे एवं पालतू जानवरों को अकेला ना छोडें। नंगे पैरध्बदन धूप में ना जायें। अत्यधिक प्रोटीन युक्त भोजन एंव बासी भोजन का सेवन ना करें। गहरें व चटक रंग के कपड़ो को पहनने से बचे। तंग एंव छोटे कपड़ो के प्रयोग से बचें, विशेष कर जब बाहर धूप में जाना हों, बंद एंव अत्यधिक गर्मी वाले स्थान पर भोजन पकानें से बचें।

पासबुक प्रिंटर खराब, ग्राहकों को हो रही परेशानी

आजमगढ़ (आर एन एस) बरदह क्षेत्र स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक भीरा व बरदह शाखा में पासबुक प्रिंटर मशीन लंबे समय से खराब पड़ी है, जिससे ग्राहकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मशीन खराब होने के कारण खाताधारकों के लेनदेन की जानकारी पासबुक पर अपडेट नहीं हो पा रही है।बैंक पहुंचने वाले ग्राहकों का कहना है कि उन्हें अपने खाते की जानकारी के लिए बार–बार कर्मचारियों से पूछना पड़ता है या फिर मिनी स्टेटमेंट का सहारा लेना पड़ रहा है। खासकर बुजुर्ग और ग्रामीण क्षेत्र के लोग, जो पासबुक पर ही निर्भर रहते हैं, उन्हें सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्राहकों ने बैंक प्रशासन से जल्द से जल्द प्रिंटर मशीन ठीक कराने की मांग की है, ताकि उन्हें अपने खातों की सही और अपडेट जानकारी मिल सके। वहीं इस संबंध में बैंक कर्मचारियों का कहना है कि मशीन खराब होने की सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गई है और जल्द ही समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तिसंस्था राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु 15 जुलाई 2026 तक दें प्रस्ताव’

आजमगढ़ (आर एन एस)जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शांत प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया है कि प्रत्येक वर्ष षविश्व दिव्यांग दिवसष 03 दिसम्बर के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियोंध संस्थाओं को दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा निम्नानुसार 12 श्रेणियों में पात्रता रखने वाले को रू0 25000ध– राज्य स्तरीय पुरस्कार दिये जाते हैं। पात्रता रखने वाले व्यक्ति ध संस्थाएँ अपना प्रस्ताव दिनांक 15 जुलाई 2026 तक कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, आजमगढ़ के कमरा नम्बर 07 में प्राप्त करायें।राज्य स्तरीय पुरस्कारी नियमावली–2017 के अनुसार निम्नलिखित श्रेणियां निर्धारित हैं 1. दक्ष दिव्यांग कर्मचारी ध स्वनियोजित दिव्यांगजनो के लिये राज्य स्तरीय पुरस्कार।2. दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को राज्य स्तरीय पुरस्कार।3. दिव्यांग व्यक्तियों के निम्मित कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार।4. प्रेरणास्रोत हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार।5. दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिये राज्य स्तरीय पुरस्कार ।6. दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार।7. दिव्यागजन को पुनर्वास सेवायें प्रदान करने वोल सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार।8. सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालकध्बालिका हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार।9. सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस के राज्य स्तरीय पुरस्कार।10. दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार।11. सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार। 12 दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी ध कर्मचारी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार।

माटीकला कामगारों शिल्पकारों को 15 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण

आजमगढ़ (आर एन एस)उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा षमाटीकला कौशल विकास योजनाष के अन्तर्गत जनपद के माटीकला के कामगारोंधशिल्पकारों को 15 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाये जाने का निर्णय लिया गया है। योजनान्तर्गत माटीकला के ऐसे कामगारधशिल्पकार जिनके परिवार का कोई सदस्य पूर्व में किसी विभागधसंस्था द्वारा माटीकला शिल्पकारी का प्रशिक्षण प्राप्त न किये हों तथा जिनकी आयु 18 से 55 वर्ष के बीच हो, को निःशुल्क 15 दिवस का शिल्पकारी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय होगा तथा प्रशिक्षण अवधि में रू0 250.00 प्रतिदिन की दर से प्रशिक्षुवृत्ति भी प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को दिया जाएगा। इस हेतु जनपद के इच्छुक कामगारधशिल्पकार जो प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है, वे 30 मई 2026 तक माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित पोर्टल पर आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, सिधारी, आजमगढ़ से किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर आवेदन के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते है। योजना के तहत एक परिवार के एक ही कामगारध शिल्पकार पात्र होंगे। कार्यालय में फार्म जमा करते समय पासपोर्ट साईज का एक फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास, शैक्षिक योग्यता, राशन कार्ड, बैंक पासबुक की छाया प्रति जमा करना अनिवार्य होगा।

भ्रम फैलाकर स्मार्ट मीटर लगाये जाने के विरोध में ग्रामीणों ने अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय पर दिया धरना

स्मार्ट मीटर हटाने, बढा बिल वापस करने, दोषियों पर कार्रवाई की मांग

बस्ती। भ्रामक सूचना देकर स्मार्ट बिजली मीटर लगाये जाने को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। मंगलवार को साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के कुर्थियां के नागरिकों ने किसान नेता उदयपाल पटेल, ग्राम प्रधान इरफान अहमद के नेतृत्व में अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण कार्यालय के समक्ष धरना दिया। ज्ञापन देकर मांग किया कि स्मार्ट मीटर को हटाकर पूर्व की भांति विद्युत आपूर्ति कराया जाय। धरने में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव दीवान चन्द पटेल, मण्डल उपाध्यक्ष जयराम वर्मा, जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी, ब्रम्हदेव चौधरी, आज्ञाराम चौधरी, पारसनाथ, रामशव्द चौधरी, जगदीश चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।ज्ञापन देने के बाद किसान नेता उदयपाल पटेल, ग्राम प्रधान इरफान अहमद ने बताया कि विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने कुर्थियां गाँव के सभी निवासियों को झूठी और भ्रामक सूचना देकर जबरदस्ती से स्मार्ट मीटर स्थापित करा दिया। कहा कि यदि अभी स्मार्ट मीटर नहीं लगवाओगे तो भविष्य में दस हजार रूपया जुर्माना लगेगा। यह सूचना पूरी तरह गलत, झूठ और भ्रामक है। किसी को भी कोई लिखित आदेश दिया नहीं गया है, न ही कोई आधिकारिक अधिसूचना है। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि स्मार्ट मीटर से बिल में कोई बदलाव नहीं होगा, परंतु मीटर लगने के तुरंत बाद बिल बढ़ गए। यह धोखाधड़ी है। इन स्मार्ट मीटरों में त्रुटि है या इन्हें गलत तरीके से स्थापित किया गया है। वे बार–बार बिजली को बिना किसी सूचना के स्वचालित रूप से काट देते हैं, जिससे कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 और भारतीय दंड संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है।अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को दिये पत्र में सभी अनावश्यक स्मार्ट मीटरों को तत्काल प्रभाव से हटाये जाने, विद्युत आपूर्ति को तुरन्त पूर्व की भांति स्थापित किया जाने, स्मार्ट मीटरों के कारण हुए अतिरिक्त बिलों को माफ किये जाने, गलत सूचना देने वाले विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई, भविष्य में किसी भी निवासी को बिना पूर्व सूचना और लिखित अनुमति के ऐसे अनावश्यक उपकरण न लगाने के लिए लिखित निर्देश दिए जाने आदि की मांग शामिल है।धरना प्रदर्शन और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से शिवकुमार, इन्द्रावती, बाबूलाल, अरबाज, आकाश भारती, राधेश्याम, आकाश कन्नौजिया, शान्ती, ममता, तारामती, सिपाली, राजाराम, मीरा, रामचन्द्र, रेशमा, मंजू देवी, ऊषा भारती, अनिल कुमार, रामफेर, राम सूरत, गरिमा देवी, राम बहोर, रामकिशोर, अनीता, सुनीता, रफीकुन्निशां, फूलमती, सीताराम, गंगाराम, धर्मराज,मो. शाहिद, सुनील, ओम प्रकाश, राम प्रकाश, हरीराम, खुशबुन्निशां, सोनी, पप्पू, मालती देवी, वसीउल्लाह, मंजू देवी, गुजराती, राजेन्द्र के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

प्रसव के दौरान बच्चे का सिर धड़ से अलग हो जाने के मामले में एसपी को दिया पत्रः कार्रवाई की मांग

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के मुरादपुर निवासी दुर्गा प्रसाद पुत्र रिखई ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर प्रसव के दौरान बच्चे का सिर धड से अलग होकर दो हिस्से में बट जाने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।एसपी को दिये पत्र में दुर्गा प्रसाद ने कहा है कि उनकी पुत्र वधू प्रेमा देवी पत्नी नीरज कुमार जो लगभग सात माह की गर्भवती थी और उसके पेट में दर्द होने पर गत 8 अप्रैल एम्बुलेंस से उसे लेकर कुदरहा विकास खण्ड क्षेत्र के सामुदयिक स्वास्थ्य केन्द्र बनहरा पहुंचे। एम्बुलेन्स में ही अस्पताल की नर्स कुसुम ने आकर ट्रीटमेन्ट शुरू किया और दर्द का इंजेक्शन लगायी जोर जबरजस्ती से बच्चा पैदा करने की कोशिश करने लगी कि बच्चा 2 टुकडो में होकर शरीर से निकला लेकिन सिर अन्दर ही रह गया। उसके बाद रक्तश्राव तेज हो जाने पर नर्स कुसुम घबरा गयी और बगल के मैक्स हास्पिटल में भेजवायी जहां मरीज घंटो तड़फती रही।

10 सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम कार्यालय पर गरजे सेवानिवृत्त कर्मचारी, शिक्षक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बस्ती। मंगलवार को राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय, मंत्री उदय प्रताप पाल के नेतृत्व में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि उप जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा। मांग किया कि समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराया जाय। डीएम कार्यालय पर सेवानिवृत्त कर्मचारी, शिक्षक अपनी मांगों को लेकर गरजे और कहा कि भेदभाव की नीतियां समाप्त करायी जाय।ज्ञापन सौंपने से पूर्व एसोसिएशन जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय, मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि देश के पेंशनरों में बहुत बड़ा असंतोष इस कारण से है कि उन्हें 8 वें वेतन आयोग की सीमा में नहीं रखा गया है। इस सम्बन्धा में संगठन द्वारा अनेक पत्र भेजे गये हैं एवं कार्यक्रम किये गये हैं, किन्तु समस्यां ज्यों की त्यों बनी हुई है। इस समस्या का सरकार शीघ्र समाधान कराये।

जिलाधिकारी कार्यालय के परिसर में आयोजित धरने को माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय महामंत्री अनिरूद्ध त्रिपाठी, सेवा निवृत्त प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद जिलाध्यक्ष राम बहोर मिश्र, सेवानिवृत्त कर्मचारी नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राम नरायन चौधरी, महामंत्री सर्वेन्द्र सिह, संरक्षक सत्यदेव शुक्ल, पेंशनर एसोसिएशन उपाध्यक्ष अशोक कुमार मिश्र, अरूण कुमार पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, राजकीव वाहन चालक संघ के जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश, कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, मंत्री आलोक श्रीवास्तव, सुभाष चन्द्र दूबे, श्रीनाथ मिश्र आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि केन्द्र सरकार भेदभाव वाला नियम वापस ले।सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन के धरने को समर्थन देते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, मंत्री तौलू प्रसाद आदि ने कहा कि मांगे जायज है। इसे तत्काल पूरा कराया जाय। अध्यक्षता नरेन्द्रदेव मिश्र ने किया।प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को भेजे 10 सूत्रीय ज्ञापन में वित्त विधेयक 2025 में पेंशनरों में तिथि के आधार पर विभेद पैदा करने वाले अंश को हटाते हुये पुराने पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग की सीमा में लाये जाने, भारत सरकार के राजपत्र दिनांक 29–08–2008 में प्रकाशित निर्णयों के अनुसार कर्मचारियों, पेंशनरों, शिक्षकों के लिए अलग सी०पी०आई० बनाने, उच्चतम न्यायालय की पूर्ण पीठ के निर्णयानुसार लम्बी सेवा अवधि का लंबित वेतन है, वह नान कन्ट्रीक्यूटरी व अनफण्डेड नहीं है, इसलिए ओ०पी०एस० बहाल किये जाने, पेंशनरों के राशिकरण की कटौती 10 वर्ष पर बन्द करने, 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात् प्रत्येक पांच वर्ष पर पांच प्रतिशत पेंशन की वृद्धि किये जाने, पेंशन को आयकर से मुक्त रखे जाने, कोरोना काल के 18 महीने के डी०ए०, डी०आर० के एरियर का भुगतान किये जाने, वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में 50 प्रतिशत की छूट दिये जाने, आयुष्मान भारत में कैशलेस उपचार कराने की सीमा को 10 लाख किये जाने, मंहगाई भत्ता 50 प्रतिशत से अधिक होने पर उसे मूल वेतन, पेंशन में मर्ज किये जाने आदि की मांग शामिल है।यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी एल.के. पाण्डेय ने बताया कि धरना प्रदर्शन और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से सुरेशधर दूबे, सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, ई. रामचन्द्र शुक्ल, ई. देवी प्रसाद शुक्ल, श्रीगोपाल त्रिपाठी, विष्णु चन्द्र श्रीवास्तव, शम्भूनाथ मिश्र, राधेश्याम तिवारी, श्यामधर सोनी, जंग बहादुर, राम कुमार पाल, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, रामकुमार लाल, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, छोटेलाल यादव, अनन्तधार दूबे, बुद्धिसागर पाण्डेय, दीनानाथ शुक्ल, कन्हैया प्रसाद सिंह, भगवान सिंह, करोडा देवी, कमल बहादुर सिंह, भगवानदास, बरसाती चौधरी, अंगिरा प्रसाद, मनोज कुमार श्रीवास्तव, घनश्याम लाल, वीरेन्द्र बहादुर सिंह, हरिश्चन्द्र पाल, मदनपाल सिंह, देवेन्द्र प्रताप सिंह, राजदेव पाण्डेय, साहबदीन विश्वकर्मा, रामतौल गौतम, मदनलाल गुप्ता, पुरूषोत्तम प्रसाद मिश्र, अशोक कुमार पाण्डेय, प्रेम प्रकाश मिश्र, उदयराज वर्मा, राजाराम मिश्र, जयनाथ सिंह, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, ओम प्रकाश मिश्र, सुरेन्द्रनाथ उपाध्याय, भानु प्रताप सिंह, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, मुरलीधर शुक्ल, पेशकार मिश्र, इश्तियाक अहमद, गिरीश चन्द्र चौधरी, लक्ष्मीनारायण सिंह, आशाराम यादव, मंगलदेव शुक्ल, आलोक कुमार सिंह, गीता सिहं, सरोज त्रिपाठी के साथ ही बड़ी संख्या में सेवा निवृत्त कर्मचारी और विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

अबूझ हाल में बाजार में लगी आग, चार दुकानों में रखा नगद समेत लाखों रुपये की सामान जलकर हुआ राख

मड़िहान, मीरजापुर। तहसील क्षेत्र के लालगंज कलवारी मार्ग पर रजौहा चौराहा स्थित बाजार में मंगलवार की देर रात लगभग एक बजे के करीब मिठाई, समोसे की दुकान के साथ तीन गोमती में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया परिणामस्वरूप नगदी समेत लाखों रुपये का सामान जलकर हुआ राख हो गया। जीवकोपार्जन का एक मात्र सहारा जलकर खाक होने से पीड़ितों पर संकट के बादल गहरा गए हैं। तहसील क्षेत्र के रजौहा गांव निवासी दशरथ ने बताया की लगभग 15 वर्ष से रजौहा बाजार स्थित चौराहे पर मिठाई, समोसे की दुकान टिन सेड लगाकर खोलकर अपने साथ परिवार का भरण पोषण करते आ रहे थे। रोजाना की भांति मंगलवार की देर रात नौ बजे के करीब दुकान बंद कर लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित घर सोने चले गए। देर रात करीब एक बजे के करीब दुकान में आग लगने की सूचना मिली तो दौड़ते हांफते परिजनों संग मौके पर पहुंचे वारदात देख आंखे चौंधिया गई। अपने सपनों को जलता देख मानों पाव तले जमीन खिसक गई हो। आग बुझाने के लिए लोग अपने घरों में रखा पानी लेकर दौड़ पड़े, परन्तु लपटे इतनी तेज थी कि कुछ ही क्षण में दुकान में रखा 12 हजार नगद समेत, चार ब्रेंच, फ्रीजर, इन्वर्टर, बैटरी, काउंटर, पंखा, दो चौकी, 26 कुर्सी, दो ड्रम, एक बोरी चीनी, एक बोरी मैदा, दो डब्बा घी, 20 पेटी कोकाकोला, 40 पेटी पानी का बॉटल, काउंटर आदि जलकर राख हो गया। दुकान जलने से परिवार भुखमरी की कगार पर आने को मजबूर हो गया है। दुकान के ही बगल में स्थित गांव निवासी शिवशंकर की 22 वर्ष पुरानी पान की गोमती भी आग की चपेट में आने से उसमे रखा लगभग 50 हजार रुपए का सारा सामान जलकर राख हो गया। बगल में स्थित कलाम के 35 वर्ष पुरानी कास्मेटिक की दुकान भी आग की लपटों में घिर गई। जिससे दुकान में रखा लगभग दो लाख रुपए की लागत की कास्मेटिक समान जलकर राख हो गया। अंततः सुनील की छह साल पुरानी पान की गोमती भी जलकर राख हो गई। जिसमें रखा लगभग 20 हजार रुपए की लागत का सारा सामान जलकर राख हो गया। पहली दुकान में जैसे ही आग लगी उस समय पिकेट ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड की बहादुरी, समझदारी ने अगल बगल स्थित दर्जनों दुकानों को जलने से बचाने में सहायक साबित हुआ। लोगो को समय रहते हल्ला कर जगाने से बाजार बच गया। आगजनी के दौरान दर्जनों की संख्या में मौके पर पहुचे ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया।सूचना के लगभग दो घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड टीम को देख ग्रामीणों ने नाराजगी जाहिर की।

पेट्रोल-डीजल संकट से परेशान अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

श्रावस्ती । पेट्रोल और डीजल की लगातार बनी किल्लत अब आमजन के साथ–साथ अधिवक्ताओं के लिए भी बड़ी समस्या बन गई है। इसी को लेकर माडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन श्रावस्ती के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग से मुलाकात कर स्थिति से अवगत कराया और अधिवक्ताओं के लिए ईंधन की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग की। अधिवक्ता संघ के महामंत्री सतीश कुमार मौर्य ने बताया कि जिले के लगभग सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का अभाव बना हुआ है। यदि किसी पंप पर ईंधन उपलब्ध भी होता है तो वहां लंबी–लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। इस स्थिति का सीधा असर अधिवक्ताओं के दैनिक कार्य पर पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें समय पर न्यायालय पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सुरेश चन्द्र तिवारी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मिलकर समस्या के समाधान की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि अधिवक्ताओं के कार्य की प्र.ति को देखते हुए उनके लिए पेट्रोल–डीजल की उपलब्धता विशेष रूप से सुनिश्चित कराई जाए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित न हो। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने अधिवक्ताओं की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर जनपद में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को व्यवस्थित किया जाएगा, जिससे किसी भी वर्ग को परेशानी न हो। उधर, ईंधन संकट के विरोध में माडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन श्रावस्ती तथा न्यू माडर्न बार एसोसिएशन, तहसील जमुनहा के अधिवक्ताओं ने कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायिक कार्य का बहिष्कार कर दिया।अधिवक्ताओं ने पूरे दिन सामूहिक अवकाश रखकर प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित किया। अधिवक्ताओं का कहना है कि यदि जल्द ही पेट्रोल–डीजल की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के हवाई पट्टी पर वायु सेना के लड़ाकू विमानों द्वारा किया गया हैरतअंगेज प्रदर्शन।

सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के अरवलकीरी करवत, विकास खण्ड कूरेभार के पास बनायी गयी 3.2 मीटर लम्बी हवाई पट्टी पर आज वायुसेना के विमानों द्वारा इमरजेंसी लैडिंग का अभ्यास किया गया, जिसमें वायुसेना के विमान लैण्डध्टच डाउन किये तथा वहां उपस्थित तमाम अधिकारीगण व जन समुदाय देखकर रोमांचित हो उठें। इमरजेंसी लैडिंग में वायुसेना के लड़ाकू विमान– सुखोई–30 एमकेआई, मिराज–2000, जगुआर, परिवहन विमान, सी–295, एएन–32, हेलीकॉप्टर एमआई–17 वी5 जैसे विमान शामिल हुए। पूरे इमरजेंसी लैडिंग को वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में संचालित किया गया। उक्त इमरजेंसी लैडिंग को प्रयागराज से कमांड किया गया। इमरजेंसी लैडिंग के अवसर पर मुख्य अतिथि मा0 जनपद प्रभारी मंत्रीध्कैबिनेट मंत्री, पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग, उ0प्र0 सरकार श्री ओम प्रकाश राजभर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ऊषा सिंह, मा0 भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, मा0 विधायक सदर (जयसिंहपुर) राज प्रसाद उपाध्याय, मा0 विधायक कादीपुर राजेश गौतम, जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक चारू निगम, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल, मा0 विधायक सुलतानपुर प्रतिनिधि पुलकित सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के कूरेभार स्थित अरवल कीरी करवत में बनी एयर स्ट्रिप पर आज 2 घंटे से अधिक फाइटर विमानों द्वारा इमरजेंसी लैंडिंग का अभ्यास किया गया। 3.5 किमी की एयर स्ट्रिप पर फाइटर प्लेन सुखोई और मिराज ने टच एंड गो का अभ्यास किया। इस कार्यक्रम के मद्देनजर 12 किमी मार्ग बंद कर रूट डायवर्जन किया गया था। इससे पहले भी यहां कई बार ऐसे अभ्यास हो चुके हैं। एयरस्ट्रिप पर सुखोई व मिराज जैसे जंगी जहाजों ने लैंडिगध्टच डाउन का प्रदर्शन किया। इस दौरान फाइटर जेट्स द्वारा 'टच एंड गो' ड्रिल किया गया, वहीं एमआई–17 वी5 हेलीकॉप्टर से स्पेशल फोर्सेस द्वारा अभ्यास किया गया। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के अरवलकीरी करवत, वि0ख0 कूरेभार में बनायी गयी हवाई पट्टी पर आज भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के पायलटो द्वारा हैरत अंगेज कारनामों का सफल प्रदर्शन किया गया। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों के द्वारा एयर स्ट्रिप के 5 किलोमीटर के क्षेत्र को 15 अप्रैल से ही अपने कब्जे में लिया गया था। जहां पर भारतीय सशस्त्र बल व भारतीय वायु सेना के जवानों द्वारा एयरस्ट्रिप पर समस्त तैयारियॉ की गयी। यह एयरस्ट्रिप खास तौर पर भारी लड़ाकू विमानों के लिए बनाई गई है। युद्ध के समय यह हाईवे वायुसेना के लिए बैकअप रनवे का काम करता है, ताकि जरूरत पड़ने पर यहां से भी ऑपरेशन जारी रखे जा सकें।

संपत्ति विवाद में जिंदा समाधि पर बैठे महंत मुकुंदपुरी, प्रशासन हलकान

बाराबंकी। असंद्रा थाना क्षेत्र स्थित भवनियापुर के श्री राम जानकी मठ के महंत मुकुंदपुरी ने मंगलवार को जिंदा समाधि लेने का ऐलान कर दिया। उनके इस ऐलान के बाद भारी पुलिस बल मौका पर पहुंचा। एसडीएम–सीओ महंत को मनाने में जुटे रहे लेकिन वो जिद पर अड़े रहे। जिससे यहां के हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। मठ परिसर को संवेदनशील घोषित कर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। वहीं, प्रशासनिक अधिकारी सुबह से ही महंत को समाधि से निकलने के लिए मनाने में जुटे रहे। दोपहर दो बजे महंत समाधि स्थल से बाहर निकले हैं। पुलिस अधिकारियों ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। महंत सुबह 4 बजे के करीब समाधि लेने बैठे थे। करीब 10 घंटे वह समाधि स्थल पर बैठे रहे। बता दें, महंत मुकुंदपुरी इससे पहले भी एक बार समाधि लेने की बात कह चुके हैं। लेकिन तब उन्हें ऐसा करने से रोक दिया गया था। इस पूरे विवाद की जड़ मठ की करोड़ों की जमीन बताई जा रही है। महंत मुकुंदपुरी का आरोप है कि एक व्यक्ति ने फर्जी और अपंजीकृत वसीयत के जरिए मठ की संपत्ति अपने नाम दर्ज करा ली। इस मामले में तहसील प्रशासन ने 24 अगस्त 2023 को वसीयत को निरस्त करते हुए संपत्ति को मूल खातेदार के नाम दर्ज करने का आदेश दिया था। साथ ही 45 दिनों में समाधान का भरोसा भी दिया गया था, लेकिन मामला कागजों से आगे नहीं बढ़ पाया। इसी देरी से नाराज महंत ने प्रशासन को अल्टीमेटम दे दिया था कि 20 अप्रैल तक कार्रवाई नहीं हुई तो 21 अप्रैल को वह जिंदा समाधि ले लेंगे। तय तारीख आने पर अब महंत अपने फैसले पर अड़े गए। वह पीछे हटने के लिए राजी नहीं थे। मौके पर एसडीएम, सीओ और थाना पुलिस ने लगातार महंत से बातचीत कर उन्हें समझाने की कोशिश की। काफी बातचीत के बाद महंत समाधि स्थल से उठ गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब महंत ने ऐसा कदम उठाने की चेतावनी दी हो। वर्ष 2023 में भी उन्होंने इसी तरह का ऐलान किया था, जिसे प्रशासनिक हस्तक्षेप से टाल दिया गया था। हालांकि इस बार हालात ज्यादा गंभीर हो गए। महंत का रुख पहले

दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर में एक युवक की मौत

श्रावस्ती। एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों से भरे एक परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया। थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र के अंतर्गत दो बाइकों की आमने–सामने हुई भीषण टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, जगतापुर निवासी दद्दन (35) पुत्र केशवराम मंगलवार रात सलारपुर की ओर से अपनी बाइक से आ रहे थे। उसी समय भंगही की तरफ से आ रहे विक्रम साहू (22) पुत्र राम शंकर साहू की बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार दूर जा गिरे और मौके पर अफरा–तफरी मच गई। हादसे में विक्रम के साथ बाइक पर सवार आशीष शर्मा (23) पुत्र बुद्धिलाल भी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और बिना देर किए तीनों घायलों को जिला अस्पताल भिनगा पहुंचाया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान डॉक्टरों ने विक्रम की हालत अत्यंत नाजुक पाई और उसे बेहतर इलाज के लिए बहराइच रेफर कर दिया।परिजनों की उम्मीदें उस समय टूट गईं जब इलाज के दौरान विक्रम ने दम तोड़ दिया। विक्रम की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सबसे मार्मिक बात यह है कि विक्रम की शादी तय हो चुकी थी। आगामी 27 अप्रैल को उसका तिलक कार्यक्रम होना था और 8 मई को विवाह की तारीख निर्धारित थी।

गत वर्ष ड्राप आउट बच्चों को चिन्हित करते हुए कराएं नामांकन

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में बेशिक शिक्षा विभाग के तहत पीएमश्री योजना तथा बाल विकास परियोजना विभाग के अन्तर्गत जिला पोषण समिति, जिला स्तरीय कंवर्जन समिति की बैठक कर प्रगति की जानकारी ली। दोनों विभागों की योजनाओं में अपेक्षित प्रगति न आने पर जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यशैली में सुधार लाते हुए 30 अप्रैल 2026 तक शत प्रतिशत प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। पीएमश्री विद्यालयों की समीक्षा के तहत स्कूल चलों अभियान के अन्तर्गत प्रगति कम होने तथा बैठक उपस्थित खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा सही उत्तर न दे पाने अभिभावकों से सम्पर्क न करने, निर्माण कार्यो की समीक्षा न करने पर जहां जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाते हुए 30 अप्रैल 2026 तक स्कूलों में लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत नामांकन कराने का निर्देश दिया तो मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों का वेतन शत प्रतिशत नामांकन कराए जाने के बाद ही निर्गत करने का निर्देश दिया। जिन खण्ड शिक्षा अधिकारी क्षेत्रान्तर्गत शत प्रतिशत नामांकन नहीं हो सकेगा ऐसे खण्ड शिक्षा अधिकारी का वेतन रोकने का निर्देश दिया। बैठक में एजेण्डा बिन्दुवार, बुकलेट सही तरीके से तैयार न करने, स्कूलो में नामाकंन की प्रगति प्रेरणा पोर्टल पर फीड न करने पर डीसी एमआईएस से भी स्पष्टीकरण की मांग की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहां कि जिन प्रधानाध्यापक के क्षेत्र में लक्षित नामांकन के सापेक्ष शत प्रतिशत नामांकन नही होने पर सम्बन्धित प्रधानाध्यापक पर भी कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव में भ्रमण कर अभिभावकों से सम्पर्क करें तथा शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कराए। उन्होंने कहा कि कक्षा–5, कक्षा–8 से पासआउट छात्रों का नामांकन अगली कक्षा में शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित किया किया जाए यदि कोई बच्चा नामांकन नहीं कराता है तो उसका कारण सहित अभिभावक से लिखित रूप में लेते हुए जिला बेशिक अधिकारी को उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि गत वर्ष नामाकंन के पश्चात जो बच्चें विद्यालय नहीं आए ऐसे ड्राप आउट बच्चे को चिन्हित करते हुए नामांकन कराया जाए, नामांकन न कराने वाले का लिखित कारण स्पष्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्दो से 6 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले छात्र–छात्राओं का जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा दिए गए सूची के अनुसार शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कराते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया जाए। राइट टू एजूकेशन (आरटीआई) के तहत चयनित बच्चों का नामांकन निर्धारित स्कूलों में समय से करवाया जाए सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी आरटीई के तहत नामित स्कूलो के प्रबंधको, प्राचार्यो को निर्देशित किया जाए कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा दी गई सूची में शामिल बच्चों के अभिभावको से प्रबंधक, प्रधानाचार्य स्वंय सम्पर्क स्थापित कर अपने स्कूल में नामांकन कराएं यदि किन्हीं कारण से किसी अभिभावक द्वारा नामांकन कराने से मना किया जाता है तो उससे लिखित रूप से कारण सहित लिया जाए। बैठक में पाठ्य पुस्तकों का वितरण शत प्रतिशत कराए जाने का निर्देश देते हुए प्री प्राइमरी में मानव संशाधन, सामाग्री क्रय की स्थिति, निर्माण कार्यो की प्रगति, छात्राओं की उपस्थिति आदि बिन्दुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि स्कूलो में शौचालय व अन्य निर्माण कार्य जो 31 मार्च 2026 तक पूर्णता का लक्ष्य निर्धारित था परन्तु अभी तक पूर्ण नही किया गया। कार्यदायी संस्थाओ को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया। जिला पोषण समिति, जिला स्तरीय कंवर्जन समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियो पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अपने क्षेत्र के प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करे तथा बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में अवश्य जानकारी ली जाए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में साफ सफाई, छात्र–छात्राओं को पाठ्य पुस्तक की उपलब्धता, केन्द्रों पर खेल का सामान, लर्निंग चार्ट आदि सभी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान जिस आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों की कम उपस्थिति, कार्यकत्रियों की अनुपस्थिति पाए जाने पर सम्बन्धित बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर को जिम्मेदार मानते हुए कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सैम–मैम बच्चों की समीक्षा के दौरान कहा कि अति कुपोषित बच्चो को एनआरसी मे लाया जाए ताकि उन्हें ठीक किया जा सकें। बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण सहित सभी बिन्दुओं पर प्रगति की समीक्षा की गई।

बुद्धा पार्क पर धन का बंदरबांट- आईजीआरएस जांच बना मजाक, इंजीनियर देता रहा तारीख पर तारीख

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट के ठीक सामने स्थित बुद्धा पार्क में लगभग पांच करोड़ रुपये से कराए जा रहे निर्माण कार्य में अब भ्रष्टाचार का संकेत सिर्फ आरोप व चर्चाओं तक सीमित नहीं रह गया हैं, क्योंकि सरकारी रिपोर्ट ने गड़बड़ी की परतें खोलनी शुरू कर दी हैं। आई जी आर एस शिकायत पर हुई जांच में जिला उद्यान अधिकारी की रिपोर्ट ने जो तस्वीर पेश की है वह न सिर्फ प्रशासनिक कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे है। बल्कि पूरे सिस्टम की निष्क्रियता, मिली भगत और लीपापोती को उजागर करती है। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा प्रस्तुत जांच आख्या के अनुसार 27 फरवरी 2026 को प्रान्तीय खंड कसया के अवर अभियंता के साथ जिला मुख्यालय रवीन्द्र नगर स्थित बुद्धा पार्क में निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। मौके पर मौजूद सुपरवाइजर फिरोज खान से जब डीपीआर, डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट मांगी गई तो उन्होंने साफ कहा कि डीपीआर मेरे पास नहीं, साइट इंजीनियर के पास है। फोन पर संपर्क करने पर साइट इंजीनियर ने खुद को अवकाश पर बताते हुए 28 फरवरी तक लौटकर निरीक्षण कराने का भरोसा दिया। लेकिन यहीं से शुरू हुआ तारीख पर तारीख का खेल। फिर साइट इंजिनियर की ओर से 7 मार्च व 9 मार्च की नई तारीख तय की गयी। इसके बावजूद साइट इंजिनियर द्वारा निर्धारित तिथि पर न तो जांच अधिकारी को निर्माण स्थल का निरीक्षण कराया गया और न ही डीपीआर उपलब्ध करायी गयी। परिणाम स्वरूप पूरा मार्च महीना बीत गया। सूत्रों के मुताबिक बार–बार आश्वासन के बावजूद साइट इंजीनियर न तो मौके पर उपस्थित हुए, न ही कोई अभिलेख उपलब्ध कराया। जिससे जांच कर रहे अधिकारी भी निराश नजर आए।सवाल यह है कि आखिरकार एक जिम्मेदार पद पर तैनात साइट इंजीनियर लगातार जांच से बचने की कोशिश क्यों कर रहे है?।

सूत्रो की माने तो जिलाधिकारी द्वारा गठित एक अन्य जांच टीम जब निर्माण स्थल का निरीक्षण किया, तो वहां की स्थिति ने और भी चौंका दिया। निरीक्षण में पाया गया कि इंटरलॉकिंग कई जगहों पर धंस चुकी है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं है और कई तकनीकी खामियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं। अधिकारियों ने मौके पर ही साइट इंजीनियर को जरुरी निर्देश दिए लेकिन यह कार्रवाई भी औपचारिकता से आगे बढ़ती नहीं दिख रही है। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि जिस डीपीआर के आधार पर पांच करोड़ रुपये का यह प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। वही दस्तावेज आईजीआरएस जांच के दौरान जांच अधिकारी को उपलब्ध नहीं कराया गया है। यह स्थिति न केवल नियमों का खुला उल्लंघन है।

हाइवे पर ट्रक में लगी आग देखते ही देखते बना आग का गोला

'भागकर चालक ने बचाई जान

लालगंज, मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर पुलिस चौकी अंतर्गत वाराणसी–रीवा हाईवे पर स्थित तुलसी गांव में बुधवार को सुबह शार्ट सर्किट होने से ट्रक धूं–धूं कर जलने लगा। संयोग अच्छा था की ट्रक चालक उस समय चाय पीने के लिए नीचे उतरा हुआ था जिससे वह बाल बाल बच गया। ट्रक पश्चिम बंगाल से महाराष्ट्र सामान लोड कर जा रहा था। आग लगने की सूचना पुलिस को दी गई, इसके बाद पहुंचा फायर ब्रिगेड ने ट्रक की आग को बुझाया। प्रतापगढ़ जनपद के जेठवारा थाना क्षेत्र के कुदुलिया गांव निवासी ट्रक चालक लुकमान पुत्र सोहराब अली पश्चिम बंगाल से अपनी हाइवा ट्रक पर डायना माइट यानी अलमुनियम का सामान लादकर महाराष्ट्र खाली करने जा रहा था। वाराणसी–रीवा हाईवे पर स्थित तुलसी के नदनी गांव में सुबह 5रू00 बजे ट्रक चालक ट्रक रोक कर चाय पीने के लिए दुकान पर गया और चाय पीने के बाद जब ट्रक के पास पहुंचा और चालक साइड का गेट खोलते ही ट्रक के आग धूं–धूं कर जलने लगा। ट्रक चालक ने बताया की वायर शॉर्ट होने के कारण आग लग गई थी। देखते ही देखते आग की लपटे तेज हो गई और ट्रक पूरी तरह से जलने लगा । स्थानीय लोगों और राहगीरों ने लहंगपुर पुलिस चौकी प्रभारी सुजीत सेठ को सूचित किया इसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड वाहन ने आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक आग से ट्रक का काफी हिस्सा जल चुका था। किसी तरह से फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई मौके पर फायर ब्रिगेड और पुलिस चौकी प्रभारी सुजीत सेठ पहुंचे आग पर काबू पाया गया।

बहुचर्चित कालोनाइजर मीना सिंह हत्याकांड

मीरजापुर। जिले के बहुचर्चित कालोनाइजर मीना सिंह हत्याकांड में उसके ड्राइवर और उसके साथी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। मीरजापुर के शहर कोतवाली क्षेत्र के राजा विजयपुर कोठी मोहल्ले में 10 वर्ष पहले कालोनाइजर मीना सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड मामले में उन्हीं के चालक दिलीप पटेल और उसके साथी शन्नू खां को दोषी पाया गया था। मामले में कईयों के नाम उछले थें, लेकिन पुलिस ने प्रमुख रुप से दिलीप पटेल तथा उसके साथी शन्नू खां का नाम प्रकाश में आने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था। जिन्हें दोषी पाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश शबीह जेहरा ने उम्र कैद की सजा सुनाई।साथ ही 60 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है।

मण्डलीय अस्पताल में दलालों की भरमार, मरीज व तीमरदार हो रहें हैं हलकान और परेशान

मीरजापुर। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री, सूबे की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भले ही संजीदा होने के दावे कर ले, लेकिन मीरजापुर का मंडलीय अस्पताल उनके इस दावे की हवा निकालने में तनिक भी पीछे नहीं है। वजह बताया जाता है यहां के डाक्टरों की मनमानी, दलालों का सिंडिकेट, दवाओं की कमीशनखोरी के आगे व्यवस्था पंगू और असहाय सी दिखती है। दावा तो किया गया था कि मंडलीय जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज के अधीन हो जाने से यहां की स्वास्थ्य सेवाओं में चतुर्दिक विकास होगा, चिकित्सकों से मरीजों का बेहतर संवाद होगा, दलालों पर लगाम लगेगा, लेकिन ऐसा तो कुछ होता हुआ दिखाई नहीं दिया है अलबत्ता किसी न किसी दिन मरीजों तीमारदारों के साथ दुर्व्यवहार, दवा उपचार के नाम पर मरीजों के आर्थिक शोषण की बात जरुर सामने आती रही है। ताजा मामला मण्डलीय अस्पताल स्थित कमरा नंबर 102 में मरीजों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार का सामने आया है। जहां एक पत्रकार को अपनी बुजुर्ग मां के उपचार के लिए यहां आने पर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। बताया जा रहा है कि 20 अप्रैल 2026 को समय प्रातः 11:20 बजे स्थानीय एक समाचार पत्र के संपादक विष्णुकांत पांडेय अपनी 82 वर्षीय वृद्ध माता प्रेमा देवी पत्नी स्वर्गीय कमलाकर पाण्डेय (सम्पादक) को लेकर डॉ आनन्द कुमार सिंह को दिखाने कमरा नंबर 102 पहुंचे हुए थे। आरोप लगाया कि पहले से ही दलालों से घिरे डॉक्टर के कक्ष में जाने से पहले छिना–झपटी करने लगा, परिचय देने के बाद जब डॉक्टर आनन्द कुमार सिंह के पास पहुंचा तो डॉक्टर साहबान द्वारा मरीज को देखने में हिला हवाली करते हुए बड़े ही बेरुखी से बोला गया कि श..लाईन से आओ कोई गवर्नर नहीं हो, बाहर निकल जाओं नहीं तो पुलिस बुलानी पड़ेगी....! और यह कहते हुए वह कमरे से बाहर निकल गये, जब पत्रकार द्वारा पुनः आग्रह किया गया कि डाक्टर साहब माता जी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है, लेकिन वह अभी अपनी पूरी बात कह भी पाते कि इसके पहले ही डाक्टर के फिर बोल बिगड़ उठे और वह फिर से पुलिस बुलाने की धमकी देते हुए

बेहतरी का दंभ, धरातल पर बेदम

लोगों का कहना है कि यहां की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतरी का दंभ भरने का दावा करने वाले यह कहने से पीछे नहीं होते हैं कि पहले से व्यवस्था बहुत अच्छी हो गयी है, किन्तु धरातल पर कुछ और ही प्रदर्शित हो रहा है, उस पर अमल करते हुए कार्रवाई क्यों नहीं करते हैं? सूत्रों की यदि माने तो मरीजों को जो दवायें लिखी जाती है वहां पर उपस्थित मेडिकल स्टोर के दलाल पर्चे की छिना झपटी करने लगते है, अभी 2–3 दिन पहले एक मरीज दांत के डॉक्टर को दिखाकर कक्ष से जब बाहर निकला तभी मेडिकल स्टोर के दलाल पर्चे की छिना–झपटी करने लगे थें जिसे लेकर विवाद भी हुआ था। मेडिकल स्टोर के दलालों की शिकायत कई बार प्राचार्य से की जा चुकी है, बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं होने से इनके हौसले बुलंद बनें हुए हैं।

पहलगाम शहीदों को बच्चों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मीरजापुर। पहलगाम आतंकी हमले के प्रारंभ वर्ष के सभी निर्दोष पर्यटकों स्थानीय लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए यूओ कान्वेंट स्कूल (गुरुकुलम्) कोटा शिवप्रताप सिंह, लालगंज में दो मिनट का मौन रख आतंकवाद के खात्मे के लिए सरकार से कड़े ानून लाने की मांग की गई। इस दौरान कायराना हमले में अपने प्राण गवाने वाले लोगों के लिए स्कूल के शिक्षकों के द्वारा उस हमले की जानकारी एक अभिनय के माध्यम से साझा कर दिखाया गया और हमले की कड़ी निंदा किया गया।

सांसद तनुज पुनिया ने अग्नि पीड़ितों को जाना हाल, बंधाया ढांढस

बाराबंकी। सांसद तनुज पुनिया सिद्धौर ब्लाक के डीहा के रहीमपुर में पहुंचकर उन परिवारवालो से मिले जिनके घरो में चार दिन पहले आग की चपेट में आकर लगभग 7–8 परिवार की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गयी आग की चपेट में आकर दो मवेशी गम्भीर रूप से आग में झुलस गये। जिसमें लवकुश रावत ने सांसद तनुज पुनिया को बताया कि गेहूँ, सरसो व रामदाना दो परिवार में चार चार भाईयो के पूरा का पूरा घर जल कर राख हो गया जिसमें गेहूँ, सरसों, व रामदाना की कटाई के बाद घर पर ही बोरियो में रखा गया था जो कि अब कुछ भी नही बचा है, राम सुमिरन ने बताया कि दो दो बीघा स्वयं के मालिक तथा कई बीघा बटाई पर लिया था सालो की मेंहनत और जीविका का आनाज सब जलकर राख हो गया। सांसद तनुज पुनिया ने पूरा आश्वासन देते हुये कहा कि मुझसे जो भी मदद हो सकेगी हर सम्भव हर स्थिति में हम अपने संसदीय क्षेत्र के दुख सुख में खडा हूँ सांसद तनज पुनिया ने मौके पर ही हैदरगढ उपजिलाधिकारी से संचार के माध्यम से वर्ता की और जल्द से जल्द आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराने को कहा और पुनः जीविका हेतु राहत सामग्री पहुंचाने की बात की।

इस खिलाड़ी पर टूटा दुखों का पहाड़, मां का हुआ निधन, चेन्नई के लिए ले चुके हैं 19 विकेट

चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी की मां का निधन हो गया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने एक्स पर इसकी जानकाकरी दी है। आईपीएल 2022 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू करने वाले मुकेश ने अबतक 19 विकेट लिए हैं।मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी की मां का निधन हो गया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने एक्स पर इसकी जानकाकरी दी है। आईपीएल 2022 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू करने वाले मुकेश ने अबतक 19 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2026 में वह चेन्नई सुपर के लिए केवल एक ही मैच खेले हैं। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में मौका मिला और उन्होंने 2 विकेट अपने नाम किए थे। मुकेश ने ट्रेविस हेड और ईशान किशन को आउट किया था। उन्होंने 2 ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट झटके थे। चोटिल खलील अहमद की जगह उन्हें मौका मिला था। माता के निधन के बाद मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकेश खेलने के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं इसकी जानकारी नहीं मिली है।

जसप्रीत बुमराह के लिए बीसीसीआई बना रहा है स्पेशल प्लान, बीजीटी से पहले वनडे सीरीज से मिलेगा आराम

भारत की झोली में ˘ज्ब की ट्रॉफी को छोड़कर सभी ट्रॉफियां हैं। जिस कारण टीम और बोर्ड को इसकी चाहत बनी रहती है। अब इस ट्रॉफी को भी अपनी झोली में लाने के लिए टीम इंडिया के ब्रह्मास्त्र बुमराह को हर टेस्ट में खिलाने का प्लान बना रहा है। जिसके लिए उन्हें कुछ वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है।टीम इंडिया और दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अक्सर अपनी शानदार गेंदबाजी के साथ वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए भी चर्चाओं में रहते हैं। सफेद गेंद क्रिकेट में वह अक्सर नियमित तौर पर दिखते हैं लेकिन टेस्ट मैचों में वह बाहर ही रहते हैं। क्योंकि, बीसीसीआई इस बात का खासा ध्यान रखता है कि टेस्ट मैचों के कारण बुमराह का वर्कलोड ज्यादा न हो जाए। उनके अनोखे गेंदबाजी एक्शन के कारण से उनके शरीर पर ज्यादा दबाव पड़ता है। हालांकि, अब बीसीसीआई ने उनके लिए एक खास प्लान तैयार करना शुरू कर दिया है। बीसीसीआई ने जसप्रीत बुमराह के लिए वर्ल्ड टेस्ट चौंपियशिप और 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के प्लान बनाना शुरू कर दिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड चाहता है कि बुमराह मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल के सभी टेस्ट मैच खेलें। इस दौरान भारत को कुल 9 टेस्ट मैच खेलने हैं। बता दें कि, भारत की झोली में ˘ज्ब की ट्रॉफी को छोड़कर सभी ट्रॉफियां हैं। जिस कारण टीम और बोर्ड को इसकी चाहत बनी रहती है। अब इस ट्रॉफी को भी अपनी झोली में लाने के लिए टीम इंडिया के ब्रह्मास्त्र बुमराह को हर टेस्ट में खिलाने का प्लान बना रहा है। जिसके लिए उन्हें कुछ वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है। पर आएगी और दोनों टीमों के

आईपीएल 2026 के बाद भारतीय टीम 6 जून से चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगी लेकिन वह डब्ल्यूटीसी के साइकल में नहीं है। उसके बाद भारत को इस साल श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ भी 2–2 टेस्ट मैच खेलने हैं। अगले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत दौरे बीच 5 टेस्ट मैच की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी। टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस साल भले ही 2027 के वनडे वर्ल्ड कप को लेकर शोर रहेगा लेकिन भारत की प्राथमिकता मौजूदा ˘ज्ब साइकल में टीम की उम्मीदों को जिंदा करने पर रहेगा।

क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास, आईसीसी के सीइओ ने दी अहम जानकारी

दरअसल, संजोग गुप्ता ने बताया है कि 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिता लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के होम ग्राउंड पर आयोजित की जाएगी, जिसका गुरुवार 23 अप्रैल को शिलान्यास होगा। बता दें कि, लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स आईपीएल की केकेआर फ्रेंचाइजी की सिस्टर फ्रेंचाइजी है।क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने के बाद क्रिकेट फैंस काफी उत्साहित हैं। वहीं आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने इसे लेकर अब बड़ी जानकारी दी है। दरअसल, संजोग गुप्ता ने बताया है कि 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिता लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के होम ग्राउंड पर आयोजित की जाएगी, जिसका गुरुवार 23 अप्रैल को शिलान्यास होगा। बता दें कि, लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स आईपीएल की केकेआर फ्रेंचाइजी की सिस्टर फ्रेंचाइजी है। इस दौरान संजोग गुप्ता ने कहा कि, ये इतिहास का एक अहम पल है क्योंकि आज हम जिस चीज की नींव रख रहे हैं वह सिर्फ एक क्रिकेट मैदान नहीं है। हम एक वादे की नींव रख रहे हैं। एक ऐसा वादा जिसे पूरा करने में 128 साल लगे। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने क्रिकेट को लॉस एंजिलिस खेलों में शामिल करने की मंजूरी दी है और गुप्तान ने कहा है कि इससे इस खेल के बढ़ते प्रभाव का पता चलता है। उन्होंने कहा कि,

दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल इतने लंबे समय से ओलंपिक मंच से गायब रहा। जब अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की औपचारिक मंजूरी दी तो ये केवल घोषणा मात्र नहीं थी। इससे इस बात का पता चलता है कि ओलंपिक में उन खेलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिन्हें अरबों लोग पसंद करते हैं। संजोग गुप्ता ने पोमोना स्थिति क्रिकेट स्थल का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी विरासत इसे क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है। उन्होंने कहा कि इस वादे को पूरा करने के लिए पोमोना से बेहतर किसी अन्य जगह के बारे में मैं सोच भी नहीं सकता।

विराट कोहली, टाप-5 में वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल को भी फायदा

राजस्थान के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऑरेंज कैप की रेस में विराट कोहली को पछाड़ दिया है। जिसके बाद वैभव आईपीएल 2026 में अबतक सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अभीतक खेले गए सात मैचों में 36.28 के औसत से 254 रन बटोर चुके हैं।बीते बुधवार को आईपीएल 2026 के 32वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स की भिड़ंत हुई। जिसे राजस्थान रॉयल्स ने 40 रनों से जीत लिया। वहीं लखनऊ की टीम 160 रन भी चेज नहीं कर पाई और सीजन की चौथी हार अपने नाम की। राजस्थान के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऑरेंज कैप की रेस में विराट कोहली को पछाड़ दिया है। जिसके बाद वैभव आईपीएल 2026 में अबतक सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। बता दें कि, वैभव सूर्यवंशी ने अभीतक खेले गए सात मैचों में 36.28 के औसत से 254 रन बटोर चुके हैं। हालांकि, 15 वर्षीय ओपनर का लखनऊ के खिलाफ बल्ला नहीं चला। उन्होंने 11 गेंदों में दो चौकों की मदद से आठ रन बनाए। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज कोहली पांचवें पायदान पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 267 रन बनाए हैं। डिफेंडिंग चौंपियन आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार आठवें नंबर पर हैं उन्होंने 6 मैचों में 230 रन बनाए हैं। वहीं सूर्यवंशी के सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल ने तीन स्थान की छलांग लगाई है। वह अब छठे नंबर पर आ गए हैं। उनके खाते में सात मुकाबलों में 49.00 के औसत से 245 रन हैं। यशस्वी ने लखनऊ के खिलाफ 12 गेंदों में 22 रन ठोके।

लौरा-सुने की आंधी में उड़ी भारतीय टीम, साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने गंवाई टी20 सीरीज

लौरा वोल्वार्ट और सुने लुस की बेहतरीन पारी के दम पर साउथ अफ्रीका ने भारत को तीसरे टी20 मुकाबले में भारत को 9 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 3–0 की अजेय बढ़त हासिल कर सीरीज अपने नाम कर ली है।साउथ अफ्रीका ने लौरा वोल्वार्ट और सुने लुस की बेहतरीन पारी के दम पर भारत को तीसरे टी20 मुकाबले में भारत को 9 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 3–0 की अजेय बढ़त हासिल कर सीरीज अपने नाम कर ली है। दरअसल, जोहानिसबर्ग के द वांडरर्स स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा टी20 मैच खेला गया। जिसमें टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 192 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में साउथ अफ्रीका ने केवल एक विकेट गंवाकर 16.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने 115 रन, जबकि सुने ने नाबाद 64 रन बनाकर जीत पक्की की। इससे पहले भारतीय टीम की ओर से

शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। शेफाली ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक जमाते हुए 64 रन बनाए। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सीरीज में अपना पहला अर्धशतक लगाया। उन्होंने 38 गेंदों पर 66 रन की तेज पारी खेली।

अईपीएल 2026 दिल्ली कैपिटल्स को मिली बड़ी राहत, मिचेल स्टार्क को मिला

दिल्ली कैपिटल्स को बड़ी राहत मिली है क्योंकि उनके प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से भारत आने की मंजूरी मिल गई है। चोट से पूरी तरह उबर चुके स्टार्क के 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले आईपीएल मैच में खेलने की उम्मीद है।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन में दिल्ली कैपिटल्स को बड़ी राहत मिलने वाली है क्योंकि उनके तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत यात्रा के लिए मंजूरी दे दी है। कंधे और कोहनी की समस्या से जूझ रहे स्टार्क अब पूरी तरह फिट हैं और 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच से टीम के लिए खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। ैच्छब्त्पबपदवि के अनुसार, स्टार्क शुक्रवार को भारत के लिए रवाना होंगे और सप्ताहांत में टीम से जुड़ेंगे। दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को पंजाब किंग्स और फिर सोमवार (29 अप्रैल) को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलेगी, लेकिन स्टार्क को जयपुर में 1 मई को होने वाले मैच के लिए उपलब्ध होने से पहले कुछ समय तक मौसम के अनुकूल होने और गेंदबाजी की तीव्रता बढ़ाने की आवश्यकता होगी। उनकी

अनुपलब्धाता को लेकर आईपीएल की शुरुआत में काफी भ्रम की स्थिति थी, लेकिन फिर तेज गेंदबाज ने खुद सोशल मीडिया पर अपनी चोट के बारे में विस्तार से बताया और षालत जानकारियों से फैली रायष पर निराशा व्यक्त की। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि स्टार्क ने सिडनी में अपने घर पर एक सप्ताह तक बिना दर्द के गेंदबाजी की, जिसके बाद उन्हें उड़ान भरने की अनुमति मिल गई। इस बीच, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के लिए खुशी की बात है कि टेस्ट क्रिकेट में उनके मुख्य तेज गेंदबाज पूरी तरह से फिट होने की राह पर हैं। जोश हेजलवुड सीजन की शुरुआत में उपलब्ध नहीं थे, लेकिन अब उन्होंने आरसीबी के लिए बिना किसी परेशानी के कुछ मैच खेले हैं। स्टार्क जनवरी के अंत से क्रिकेट नहीं खेलने के बाद 1 मई को वापसी कर सकते हैं वहीं पैट कमिंस शनिवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए आईपीएल 2026 का अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

क्या महंगा होगा प्रेट्रोल डीजल की अफवाहों पर सरकार ने लगाया फूलस्टाप

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच पेट्रोल–डीजल में 25–28 रुपये की भारी बढ़ोतरी की खबरों को सरकार ने श्शरारती और भ्रामकश बताते हुए खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कीमतों में वृद्धि का कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, जबकि रिपोर्ट में रिफाइनरियों के भारी घाटे का हवाला दिया गया था। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। इससे पहले यह 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, लेकिन युद्धविराम वार्ता के दौरान इसमें

कुछ समय के लिए नरमी आई थी। हालांकि, होर्मुज जलडमरूमध्य के लगभग बंद रहने के कारण कीमतें अस्थिर बनी हुई हैं। इसी बीच एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें दावा किया गया है कि तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारतीय रिफाइनरियों को अब प्रति माह 27,000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि रिफाइनरियां लंबे समय तक इस घाटे को सहन नहीं कर सकतीं, इसलिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें जल्द ही 25–28 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकती हैं। हालांकि, सरकार ने इन रिपोर्टों को श्शरारती और भ्रामकश बताते हुए कहा है कि ये खबरें नागरिकों में भय और दहशत पैदा करने के उद्देश्य से फैलाई गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। भारत में कच्चे तेल की कीमत और उपभोक्ताओं को आपूर्ति की दर के बीच का अंतर इतना बढ़ गया है कि रिफाइनरियां या सरकार अब इसे वहन नहीं कर सकतीं। वैश्विक कच्चे तेल बाजार में ऊंची कीमतों के बावजूद, भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। इसका कारण चुनाव का मौसम है। भारतीय उपभोक्ताओं के लिए, ईंधन की कीमतों में वृद्धि सबसे प्रत्यक्ष और संवेदनशील मुद्दा है, जो हर नागरिक को प्रभावित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 25–28 रुपये की मूल्य वृद्धि एक साथ नहीं होगी। जनता को अचानक होने वाले झटके से बचाने और मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लिए चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है।

कच्चा तेल फिर +100 के पार क्या आपकी जेब पर भारी पड़ेगा पेट्रोल-डीजल? जानिए विशेषज्ञों की राय

कच्चे तेल की कीमतों में एक दिन की तेजी का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि अगली सुबह ही पेट्रोल की कीमतें बढ़ जाएंगी। तेल कंपनियाँ अक्सर मौजूदा स्टॉक, रिफाइनिंग से होने वाले मुनाफे और अपने अंदरूनी रिजर्व का इस्तेमाल करके कम समय के लिए होने वाले झटकों को झेल लेती हैं। वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल (Brent Crude) की कीमतें +100 प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गईं। यह बढ़ोतरी भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि हम अपनी जरूरत का करीब 85: कच्चा तेल आयात करते हैं। अब सवाल यह उठता है कि क्या पेट्रोल और डीजल की कीमतें, जो लंबे समय से स्थिर हैं, जल्द ही बढ़ने वाली हैं?क्या पेट्रोल की कीमतें जल्द ही बढ़ेंगी?कच्चे तेल की कीमतों में एक दिन की तेजी का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि अगली सुबह ही पेट्रोल की कीमतें बढ़ जाएंगी। तेल कंपनियाँ अक्सर मौजूदा स्टॉक, रिफाइनिंग से होने वाले मुनाफे और अपने अंदरूनी रिजर्व का इस्तेमाल करके कम समय के लिए होने वाले झटकों को झेल लेती हैं। लेकिन अगर कच्चा तेल हफ्तों तक +100 के आस–पास या उससे ऊपर बना रहता है, तो दबाव तेजी से बढ़ सकता है। Infomerics Rating के मुख्य अर्थशास्त्री, मनोरंजन शर्मा ने मुझे बताया कि, अगर कच्चे तेल की कीमत +100 प्रति बैरल के करीब पहुंच जाती है, तो कीमतों को स्थिर रखने की गुंजाइश एक तिमाही से भी कम रह सकती है। उन्होंने आगे कहा कि, अगर ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ाई जातीं या सरकार से मदद नहीं मिलती, तो प्रति लीटर 3 से 4 रुपये से ज्यादा का लगातार नुकसान झेलना मुश्किल हो जाता है। कीमतों को स्थिर रखने का खर्च कौन उठा रहा है?अभी के लिए, इस बोझ का ज्यादातर हिस्सा तेल मार्केटिंग कंपनियों पर पड़ता दिख रहा है। Geojit Investments Limited के रिसर्च एनालिस्ट, अरुण कैलासन ने बताया कि जब कच्चे तेल की कीमत लगभग +95 प्रति बैरल थी, तब भी भारतीय तेल मार्केटिंग कंपनियाँ ष्हर दिन लगभग 1,600 करोड़ रुपये (महीने के 48,000 करोड़ रुपये) का नुकसान झेल रही थीं।

उन्होंने मुझे बताया कि, मुनाफे के मौजूदा रिजर्व लगभग खत्म हो चुके हैं। ऐसे में, अगर कीमतें नहीं बढ़ाई जातीं या सरकार से आर्थिक मदद नहीं मिलती, तो मौजूदा कीमतों को लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल होगा।

अटल पेशन योजना ने बनाया नया रिकार्ड मोदी सरकार की स्कीम पर 9 करोड़ लोगों ने जताया भरोसा

पीएफआरडीए द्वारा संचालित अटल पेंशन योजना APY के सदस्यों की संख्या नौ करोड़ को पार कर गई है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। यह सामाजिक सुरक्षा योजना विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित है और इसने हाल ही में एक वित्त वर्ष में सर्वाधिक नामांकन का रिकॉर्ड बनाया है।पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) संचालित केंद्र सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना... अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के अंशधारकों की संख्या नौ करोड़ से अधिक हो गई है। योजना की बढ़ती पहुंच और प्रभाव के चलते वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान सकल नामांकन 1.35 करोड़ सदस्यों से अधिक हो गया है, जो योजना की शुरुआत के बाद से किसी एक वित्त वर्ष में दर्ज किया गया अब तक का सबसे अधिक नामांकन है।पीएफआरडीए ने एक बयान में कहा कि सभी भारतीयों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली स्थापित करने के लक्ष्य के साथ नौ मई, 2015 को शुरू की गई एपीवाई एक स्वैच्छिक, अंशदायी पेंशन योजना है जो मुख्य रूप से गरीबों, वंचितों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर केंद्रित है।इसमें कहा गया कि पिछले एक दशक में सार्वजनिक और निजी बैंकों तथा डाक विभाग के निरंतर प्रयासों और सरकार के निरंतर सहयोग से इस योजना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पति पत्नी और वो दो का टीजर रिलीज- 3 हीरोइनों संग रोमांस करते दिखे आयुष्मान खुराना

पति पत्नी और वो दो सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है. फैंस इसकी झलक पाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. मेकर्स ने उनके इस इंतजार पर अब ब्रेक लगा दिया है . मेकर्स ने आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और वामिका गब्बी की अभिनीत फिल्म का टीजर जारी किया है, जिसने फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा दी है. इस टीजर में हंसी, कन्फ्यूजन और जबरदस्त हंगामे का एक मजेदार सफर देखने को मिलेगा.

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पति पत्नी और वो दो का टीजर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा है, समय सब कुछ बदल देता है, पर पतियों की फितरत उसके भी बस में नहीं, आ रहे हैं प्रजापति पांडे, इस बार अपनी पत्नी और वो दो के साथ, पति पत्नी और वो दो का टीजर अब जारी . 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में.

1 मिनट 22 सेकंड के टीजर की शुरुआत एक वॉयसओवर के साथ हुई जिसमें बताया गया कि समय के साथ–साथ बहुत कुछ बदला, पर पतियों की फितरत कभी नहीं बदली. वीडियो में दिखाया गया है कि आयुष्मान के ऑफिस में कोई लड़की मिलने आती है, जिसे देख वह मंत्रमुग्ध हो जाते हैं.

यहां उनके इस अंदाज को पतियों की फितरत से तुलना की जाती है. विजय राज नामक पुलिसकर्मी, जो आयुष्मान से बात कर रहा है और कह रहा है, क्या तो किस्मत पाए हो यार, एक दोस्त के साथ पकड़े गए, दूसरा दोस्त छुड़ाने चली आई और ये तीसरी, दोस्त ही है ना?

टीजर में इसे पतियों का यूनिवर्स कहा गया है, और इसमें आयुष्मान को सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह के साथ रोमांस करते हुए दिखाया गया है. टीजर में उन्हें अफरा–तफरी के बीच रास्ता निकालते हुए भी दिखाया गया है, और आखिर में वे चारों एक साथ बंधे हुए एक खतरनाक स्थिति में फंसे हुए नजर आते हैं. 2019 की फिल्म पति पत्नी और वो में कार्तिक आर्यन को दो औरतों के प्यार के बीच फंसा हुआ देखने के बाद, इसका सीक्वल पति पत्नी और वो दो इस कहानी को एक नए लेवल

पर ले जाता है. इस बार फिल्म के लीड एक्टर आयुष्मान खुराना दो नहीं, बल्कि तीन औरतों – सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह के बीच फंसे हुए हैं.पति पत्नी और दो को मुदस्सर अजीज ने निर्देशित किया है. इसका निर्माण भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने किया है, जबकि जूनो चोपड़ा इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं. यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

रवि बाबू की हिंसक थ्रिलर फिल्म रेजर की रिलीज डेट से उठा पर्दा, निर्माताओं ने पोस्टर जारी कर बताई तारीख

तेलुगु सिनेमा के सबसे निडर और अप्रत्याशित कहानीकार, रवि बाबू, रेजर के साथ वापसी कर रहे हैं। यह एक ज्यादा डार्क और हिंसक थ्रिलर है, जो उनकी पिछली फिल्म एनुगुथोंडम घटिकाचलम से काफी अलग है। सुरेश प्रोडक्शंस के बैनर तले सुरेश बाबू द्वारा प्रस्तुत और फ्लाइंग फ्रॉग्स द्वारा निर्मित, रेजर की दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज की तारीख 8 मई, 2026, आधिकारिक तौर पर तय हो गई है।

यह तारीख रवि बाबू के पिता, स्वर्गीय चलपति राव की जयंती के साथ भी मेल खाती है, जिससे फिल्म के आने में एक भावनात्मक पहलू भी जुड़ जाता है। निर्देशक और मुख्य अभिनेता, दोनों की दोहरी भूमिका निभाते हुए, रवि बाबू इस मनोवैज्ञानिक एक्शन ड्रामा में एक कच्चा और बेचैन कर देने वाला अंदाज लेकर आए हैं। रेजर के टाइटल की घोषणा के बाद से ही इसके बारे में चर्चा लगातार बढ़ती जा रही है।

रिलीज की तारीख की हालिया झलक और नए पोस्टरों ने दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया हैय इनमें रवि बाबू को शहरी माहौल की कठोरता और औद्योगिक परछाइयों के बीच एक रोंगटे खड़े कर देने वाले अवतार में दिखाया गया है। एक बेहद आकर्षक पोस्टर में उन्हें एक छोटी लड़की के साथ एक अराजक सड़क पर चलते हुए दिखाया गया है, जो फिल्म की क्रूरता और तनाव के पीछे छिपे एक भावनात्मक पहलू की ओर इशारा करता है। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2026 में पूरी हो गई थी, और अब डबिंग तथा

पोस्ट–प्रोडक्शन का काम भी पूरा हो चुका हैय इन सब बातों को देखते हुए रेजर इस साल तेलुगू सिनेमा की गर्मियों में रिलीज होने वाली सबसे साहसी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। रवि बाबू द्वारा लिखित और निर्देशित, रेजर तनाव, मनोवैज्ञानिक उथल–पुथल और एक खास शैली की हिंसा से भरी एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जो निर्देशक की अपनी खास शैली वाली अप्रत्याशितता को नई ऊंचाइयों तक पहुँचा देती है। फिल्म का अंतिम काम (फिनिशिंग वर्क) अभी चल रहा है, और सुरेश प्रोडक्शंस तथा फ्लाइंग फ्रॉग्स के सहयोग से बनी रेजर 8 मई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

फिल्म भूत बंगला की कमाई में जबरदस्त उछाल, 58 करोड़ के पार पहुंचा कारोबार धुरंधर 2 का जलवा बरकरार

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। निर्देशक प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की ब्लॉकबस्टर जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है और दर्शकों ने इस हॉरर–कॉमेडी का दिल खोलकर स्वागत किया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने अपने पहले वीकेंड (शुरुआती तीन दिनों) में शानदार प्रदर्शन किया है। रविवार (तीसरे दिन) को फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया। फिल्म के अब तक के आंकड़ों पर एक नजर।

फिल्म ने अपने पहले रविवार को बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत में 23 करोड़ की कमाई की, जबकि शनिवार यानी दूसरे दिन इसने 19 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। पहले दिन फिल्म ने 12.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी। कुल मिलाकर रिलीज के 3 दिनों में इस फिल्म ने 58 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। फिल्म को लोगों की सकारात्मक चर्चा का खूब फायदा मिल रहा है।

कई प्रशंसकों के लिए अक्षय की भूत बंगला पुरानी यादों का एक अहसास लेकर आई है। प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की

है। उसकी ये यात्रा तब शुरू होती है, जब उसकी बहन को विरासत में एक महल मिलता

की ये धमाकेदार परफॉर्मेंस साबित करती है कि इसमें अब भी दम बाकी है।

अरिजीत सिंह की फैन बनीं निकिता गांधी, कहा- उनके सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने बताया कि वे अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है। बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है। निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा। कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया।

निकिता कहती हैं, यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया।

लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक–दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली–जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है। दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग

करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन–चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

राजा शिवाजी का पहला गाना जारी, छत्रपति के लुक में खूब जंचे रितेश देशमुख

राजा शिवाजी एक ऐसी ऐतिहासिक फिल्म है, जिसे बनाने का सपना रितेश देशमुख ने कई साल पहले देखा था। हाल ही में, फिल्म का मराठी, हिंदी और तेलुगु भाषा में टीजर जारी हुआ जिसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। फिल्म में रितेश ने मराठा साम्राज्य के वीर छत्रपति शिवाजी का किरदार निभाया है। इस किरदार में वह खूब जंचे हैं। अब फिल्म से राजा शिवाजी एंथम जारी किया गया है, जो छत्रपति के बल और शौर्य की एक झलक पेश करता है। छत्रपति एंथम को अजय गोगावले ने आवाज दी है। संगीत अजय–अतुल ने दिया है। इसकी भव्यता को बढ़ाने के लिए 80 गायकों का बड़ा कोरस भी शामिल है। रेमो डिसूजा ने कोरियोग्राफी की है, उनके साथ सिद्धार्थ जाधव भी नजर आए हैं। यह गाना हिंदवी स्वराज्य के गौरव, साहस और आत्मसम्मान को दर्शाता है। वहीं फिल्म छत्रपति के जीवन और उनकी विरासत पर आधारित है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, फरदीन खान और बोमन ईरानी भी हैं।

सूरज की बाहों में...,वादियों में वेकेशन एन्जाय करती दिखीं श्वेता तिवारी, सादगी से नहीं हटेगी नजर

टीवी की पॉपुलर और खूबसूरत एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने इन दिनों भले ही छोटे पर्दे से दूर हैं, लेकिन वो अक्सर सोशल मीडिया के जरिए फैंस ने जुड़ी रहती हैं. हाल ही में श्वेता तिवारी ने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो अपने बेटे के साथ वैकेशन एंजॉय नजर आ रही हैं.

श्वेता तिवारी इन दिनों अपने बेटे के साथ वादियों के बीच वेकेशन एंजॉय कर रही हैं. इंस्टाग्राम पर उन्होंने कई फोटोज शेयर की हैं. इन शेयर की गई फोटोज में एक्ट्रेस बला की खूबसूरत लग रही हैं. 45 की उम्र में भी एक्ट्रेस अपनी क्यूटनेस से सबको दीवाना बना रही हैं. श्वेता तिवारी अपने बेटे संग इन दिनों पहाड़ों और नदी के बीच सुकून भरे पल बिताती नजर आ रही हैं. व्हाइट टी–शर्ट और हाई स्लिट स्कर्ट में श्वेता तिवारी का लुक भी काफी स्टाइलिश लग रहा है. वो एकदम संतूर मॉम लग रही हैं. इस फोटो में एक्ट्रेस अपने बेटे को लाड प्यार करती नजर आ रही हैं. उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. एक्ट्रेस ने वेकेशन की फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, सूरज की बाहों में. विटामिन डी फ्री है, साथ ही मूड अपग्रेड भी. उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं. फैंस उनकी मुस्कान और सादगी पर दिल हार बैठे हैं.।

जी5 की नई सीरीज लारेंस आफ पंजाब का ट्रेलर जारी, 27 अप्रैल को होगा प्रीमियर

ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने अपनी नई डॉक्यूमेंट्री सीरीज लॉरेंस ऑफ पंजाब का ऐलान करते हुए ट्रेलर जारी किया है। इसकी कहानी कुख्यात अपराधी लॉरेंस बिश्नोई की जिंदगी और उत्थान पर आधारित है। इस डॉक्यूमेंट्री के निर्देशन की कमान राघव धर ने संभाली है, जिन्हें नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री मुंबई माफिया पुलिस वर्सेज अंडरवर्ल्ड (2023) के लिए जाना जाता है। राघव खन्ना बतौर निर्माता इसके साथ जुड़े हैं। कहानी के जरिए सत्ता और प्रभाव की गतिशीलता का विश्लेषण किया गया है।ट्रेलर 2 मिनट 12 सेकंड लंबा है, जिसमें पंजाब के अपराध जगत और बिश्नोई के छात्र राजनीति से एक कुख्यात अपराधी बनने तक के सफर को दिखाया गया है। इसके साथ कैप्शन दिया गया, कुछ बीते अखबारों की सुर्खियों में नाम बन जाते हैं, और खाली घरों में उनकी मां राह देखती रह जाती हैं। हर सफर को घर का रास्ता नहीं मिलता। सीरीज का प्रीमियर 27 अप्रैल को जी5 पर किया जाएगा, जिसका लुत्फ सब्सक्राइबर यूजर उठा सकेंगे।

फिल्म है जवानी तो इश्क... से पहला धमाकेदार गाना रिलीज, मीका सिंह ने लगाए सुर

वरुण धवन की आगामी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की पहली झलक हाल ही में जारी की गई थी। डेविड धवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी मुख्य किरादार में नजर आएंगी। निर्माताओं ने फिल्म से पहला धमाकेदार गाना जारी किया है। व्याह करवादो जी गाने का फिल्मांकन वरुण और मृणाल पर किया गया है जो शादी संगीत वाली पूरी वाइब देता है। व्याह करवादो जी को मीका सिंह ने अपनी जोशीली आवाज दी है, जिसमें उनका साथ असीस कौर ने दिया। इसके बोल वायु ने लिखे हैं और संगीत व्हाइट नॉइज कलेक्टिव्स ने दिया है।

वरुण का धमाकेदार डांस गाने में चार चांद लगा रहा है। लोग यूट्यूब पर इसे काफी पसंद कर रहे हैं। टिप्स फिल्म्स द्वारा निर्मित यह लव ट्रायएंगल फिल्म भरपूर मनोरंजन और कॉमेडी की डोज देना का वादा करती है। यह 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।